वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 186 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शुक्रवार 18 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने दिया इस्तीफा

सरकार को झटका कृषि क्षेत्र के तीन बिलों के विरोध में छोड़ा मोदी मंत्रिमंडल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 17 सितंबर । केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने मोदी सरकार के तीन प्रमुख कृषि अध्यादेशों के विरोध में वीरवार देर शाम केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है।

हरसिमरत कौर बादल ने अपने इस्तीफे की घोषणा देर शाम टवीट करके दी है। साथ ही कहा है कि उन्हें गर्व है कि वह किसानों की बेटी और बहन बनकर किसानों के साथ खड़े होने का फैसला लिया है। और यह इस्तीफा केंद्रीय कैबिनेट के फैसले से विरोध जताने के लिए दिया है। हरसिमरत कौर बादल पंजाब के बठिंडा से सांसद हैं। हालांकि बादल दंपति की ओर से इस बार का खुलासा नहीं किया गया है कि वह एनडीए के साथ हैं या एनडीए को भी छोड़ दिया है।

कृषि संबंधित तीन अध्यादेशों का लगातार समर्थन करते आ रहे अकाली दल ने एकाएक तीन दिन पहले संसद में पेश बिलों का विरोध करने का फैसला लिया था। साथ ही अपने सांसदों को दोनों सदनों में पार्टी व्हीप जारी करके बिलों का विरोध करने की हिदायत जारी की थी। आज लोकसभा में अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फिरोजपुर के सांसद सुखबीर सिंह बादल ने साफ कहा कि हम किसानों के साथ खड़े हैं और केंद्रीय मंत्रिमंडल से हमारी सदस्य हरसिमरत कौर बादल इस्तीफा दे रही हैं। राज्यसभा में भी बिलों का विरोध करने का फैसला अकाली दल ने लिया हुआ है।

जिस वजह से पार्टी के तीनों सांसद नरेश गुजराल, बलविंदर सिंह भूदड़ एवं सुखदेव सिंह ढींढसा भी विरोध में वोट करेंगे। हालांकि, ढींढसा इससे पहले ही इन बिलों का विरोध कर चुके हैं। साथ ही पार्टी व्हिप के कारण उन्हें विरोध में ही वोट करना पड़ेगा। ढींढसा को बीजेपी का समर्थक बताया जा रहा था और माना

जा रहा था कि ढींढसा बिल का समर्थन करेंगे लेकिन अपनी नई बनी पार्टी शिरोमणि अकाली दल डेमोकेटिक से किसानों को नाराज ना करने के लिए ढींढसा ने बिलों का संसद में विरोध करने का फैसला लिया था।

बता दें कि शिरोमणि अकाली दल के सरपरस्त प्रकाश सिंह बादल बारबार यह दावा करते रहे हैं कि भाजपा और अकाली दल का रिश्ता नखून और मांस का है, जो जुदा नहीं हो सकता है। अब देखना होगा कि नाखून से मांस अलग होता है या नहीं। यदि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन टूटता है तो कहीं न कहीं पंजाब में भाजपा के लिए ढींढसा के साथ जाने का विकल्प खुल सकता है, क्योंकि 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव दोनों पार्टियों के लिए अहम है। इसलिए कृषि बिलों को लेकर अकाली दल को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

हरसिमरत कौर ने प्रधानमंत्री को लिखी थी चिटठी, जताया था विरोध

सूत्रों की माने तो हरसिमरत कौर बादल ने इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर बिलों का विरोध जताया और इसे रोकने की गुहार लगाई थी। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को अपने सभी सांसदों एवं पार्टी नेताओं को साथ लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नडडा के साथ मुलाकात की थी और पंजाब में हो रहे भारी विरोध की बावत बिलों को कुछ दिनों के लिए रोकने की गुहार लगाई थी। लेकिन भाजपा नहीं रुकी और मंगलवार को एक बिल लोकसभा में पास करवा दिया।

ये हैं तीन बिल, जिसका हो रहा है विरोध

केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में किसानों से संबंधित कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा प्रदान करना) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक और आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया।

कृषि संबंधी विधेयकों से किसानों को खत्म करना चाहती है सरकारः कांग्रेस

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 17 सितंबर । कांग्रेस ने कृषि से संबंधित विधेयकों को किसान विरोधी करार देते हुए बृहस्पतिवार को संसद के भीतर एवं बाहर इनका पुरजोर विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार किसानों को खत्म करने के साथ ही कुछ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना चाहती है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि ये काले कानून' किसानों और मजदूरों के शोषण के लिए बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, मोदी जी ने किसानों की आय दुगनी करने का वादा किया था। लेकिन मोदी सरकार के काले' क़ानून किसानखेतिहर मज़दूर का आर्थिक शोषण करने के लिए बनाए जा रहे हैं। ये ज़मींदारी'का नया रूप है और मोदी जी के कुछ मित्र' नए भारत के ज़मींदार' होंगे। कृषि मंडी हटी, देश की खाद्य सुरक्षा मिटी।'' पंजाब से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस सांसदों गुरजीत सिह औजला, डॉक्टर अमर सिह, रवनीत बिट्टू और जसबीर गिल ने संसद परिसर में कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक2020 और कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक2020 की प्रतियां जलाईं। संसद में इन विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए बिट्टू और औजला ने आरोप लगाया कि इन विधेयकों से किसान खत्म हो जाएंगे और प्रदेशों की आय का एक स्रोत खत्म हो जाएगा। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, आज बाहुबली' मोदी सरकार ने भारत के कृषि क्षेत्र, किसानों, खेतिहर मजदूरों और मंडियों के खिलाफ काला अध्याय लिख दिया है। इन तानाशाहीपूर्ण कानूनों से खेती का भविष्य खत्म हो जाएगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अन्नदाता किसानों को खत्म करने और कुछ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के प्रयास में है। करोड़ों किसान और 250 से अधिक किसान संगठन आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सत्ता के नशे में चूर सरकार इनकी कोई सुध नहीं ले रही है। उनके मुताबिक, मंडीसब्जी मंडी को खत्म करने से कृषि उपज खरीद व्यवस्था' पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। ऐसे में किसानों को न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य' मिलेगा और न ही बाजार भाव के अनुसार फसल की कीमत। इसका जीता जागता उदाहरण भाजपा शासित बिहार है। चौधरी ने कहा, मोदी सरकार का दावा कि अब किसान अपनी फसल देश में कहीं भी बेच सकता है।

गृह मंत्री अमित शाह को एम्स से मिली छुट्टी, घर लौटे

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को गुरुवार शाम दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी मिल गई। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अमित शाह को शनिवार रात करीब 11 बजे दोबारा से एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स के डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया की अगुवाई वाली टीम अमित शाह की देखरेख में लगी हुई थी। जानकारी के अनुसार, पिछले महीने भी गृहमंत्री कोरोना के बाद पोस्ट कोविड केयर के लिए एम्स में भर्ती हुए थे। इसके बाद 12 दिन बाद उन्हें 30 अगस्त को एम्स से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन 13 सितंबर को उन्हें फिर से पूर्ण चिकित्सा जांच के लिए भर्ती कराया गया था। गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद इलाज के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल भर्ती कराए गए थे। इलाज के बाद वह ठीक होकर घर लौट आए थे, लेकिन थकान और शरीर में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें फिर से एम्स में भर्ती कराया गया था। गौरतलब है कि 55 वर्षीय अमित शाह ने बीते माह 2 अगस्त को ट्विटर के माध्यम से देश के बताया था कि वह कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

प्रधानमंत्री हुए 70 साल के, देश-विदेश की हस्तियों ने दी बधाई

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 17 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को 70 साल के हो गए और इस अवसर पर उन्हें बधाइयों का तांता लग गया। देश और दुनिया की तमाम दिग्गज हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य के साथसाथ दीर्घायु होने की भी कामना की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल सहित कई राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने मोदी को बधाई दी और अपनेअपने देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने में उनके निजी योगदान की जमकर सराहना की। मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को हुआ था।

राष्ट्रपति रामनाथ कोड्क्षवद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों सहित दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विपक्ष के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पुतिन ने इस अवसर पर अपने बधाई संदेश में भारत तथा रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में मोदी के व्यक्तिगत योगदान की सराहना की। मोदी को लिखे पत्र में पुतिन ने कहा, आपके 70वें जन्मदिन पर मेरी शुभकामनाएं।''

मोदी की प्रशंसा करते हुए पुतिन ने कहा कि भारत के शासनाध्यक्ष के रूप में मोदी के कामकाज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और सम्मान दिलाया है। पुतिन ने कहा, आपके नेतृत्व में भारत सामाजिकआर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के पथ पर सफलतापूर्वक अग्रसर है।'' नयी दिल्ली स्थित रूसी दूतावास की वेबसाइट पर डाले गए पत्र में पुतिन ने कहा, दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में आपका व्यक्तिगत रूप से बड़ा योगदान है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि उनके और मोदी के बीच मित्रता का संबंध मूल्यवान हैं। जर्मन चांसलर मर्केल ने कहा कि दोनों देशों की जनता के लाभ के लिए जर्मनी और भारत के बीच परंपरागत अछे संबंधों को और मजबूत करने में मोदी सफल हुए हैं। मोदी को भेजे पत्र में मर्केल ने लिखा, आपके 70वें जन्मदिवस पर मेरी शुभकामनाएं स्वीकार कीजिए। इस अवसर पर मैं हमारे बीच भरोसेमंद एवं रचनात्मक सहयोग के लिए आपका आभार जताना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, बीते कुछ वर्षों में हम भारत और जर्मनी के बीच के परंपरागत अछे संबंधों को और मजबूत करने में सफल रहे हैं। पिछले वर्ष नवंबर में भारत और जर्मनी के बीच आधिकारिक विमर्श के दौरान हमारी मुलाकात की अछी स्मृतियां मेरे जेहन में है।''

मोदी को लिखे पत्र में मर्केल ने कोरोना वायरस महामारी समेत अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। यह पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय के ट्विटर हैंडल पर साझा किया गया। इसमें उन्होंने लिखा, कोविड19 महामारी अंतरराष्ट्रीय समुदाय की एकता की परीक्षा ले रही है। हम मिलकर काम करने पर ही इस बड़ी चुनौती से उबर सकते हैं।

विपक्ष के हंगामे के बीच किसानों से जुड़े दो विधेयक लोकसभा में पास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । लोकसभा में गुरुवार को कृषि से जुड़े दो विधेयक पारी हो गए हैं। इन दो विधयकों में एक कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) बिल है और दूसरा मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान (संरक्षण एवं सशक्तिकरण बिल) 2020 है। सरकार को इस इन विधेयक को लेकर लोकसभा में विरोध का भी सामना करना पड़ा है।

यहां तक कि खुद में सरकार में शामिल शिरोमणि अकाली दल की नेता और केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर ने इन विधेयकों का विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल

ने लोकसभा में इन विधेयकों को किसान विरोधी कदम बताया और कहा कि उनकी पार्टी की एकमात्र मंत्री इस्तीफा दे देंगी। इसके फौरन बाद हरसिमरत कौर ने इस्तीफे का ऐलान किया। अब ऐसे में सवाल उठ रहा है कि एनडीए के पुराने घटक दल ने ऐसा कदम क्यों उठाया? दरअसल, लॉकडाउन के दौरान 5 जून को कृषि संबंधी तीन अध्यादेश लाए गए थे और संसद सत्र के ऐलान के साथ ही खासकर पंजाब और हरियाणा के किसान इन अध्यादेशों के विरोध में सड़कों पर उतर आए। सरकार संकेत दे चुकी थी कि मॉनसून सत्र में इन अध्यादेशों को द फार्मर्स प्रोड्यूस ट्रेड एंड कॉमर्स बिल 2020; द फार्मर्स एग्रीमेंट ऑफ प्राइज एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेस बिल 2020 और द एसेंशियल कमोडिटीज (अमेंडमेंट) बिल 2020 के जरिए संसद से पास करवा कर कानून बनाया जाएगा। इनमें से एक बिल मंगलवार को ही पास हो गया था जबकि बचे हुए दो बिल आज पास हो गए। कांग्रेस ने कृषि से संबंधित विधेयकों को किसान विरोधी करार देते हुए बृहस्पतिवार को संसद के भीतर एवं बाहर इनका पुरजोर विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार किसानों को खत्म करने के साथ ही कुछ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना चाहती है।

JK में मुठभेड़, हिजबुल मुजाहिदीन के 3 आतंकवादी मारे

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर, 17 सितंबर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के बटमालू इलाके में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकवादी मारे गए और एक महिला की भी इसकी चपेट में आने से मौत हो गई। मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक अधिकारी समेत दो कर्मी घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारी की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि वहां आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने बटमालू के फिरदौसाबाद इलाके में बुधवार बृहस्पतिवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा

बलों पर गोलीबारी की जिसके बाद मुठभेड़ शुरु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में कौसर रियाज (45) नाम की एक महिला की मौत हो गई। वहीं सीआरपीएफ के एक अधिकारी समेत दो कर्मी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मारे गये आतंकवादियों की पहचान जाकिर अहमद पॉल, उबैर मुश्ताक भट्ट और आदिल हुसैन भट्ट के रूप में की गयी है। प्रवक्ता ने बताया, ये सभी आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध है। वे श्रीनगर शहर और दक्षिण कश्मीर में हुए कई हमलों में शामिल थे।'' जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिह ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए सभी तीन आतंकवादी दक्षिण कश्मीर के स्थानीय बाड्क्षशदे थे।

श्रीनगर में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि बुधवारबृहस्पतिवार की दरमियानी रात को सुरक्षा बलों ने एक सुराग पर कार्रवाई करते हुए एक घर को घेर लिया जहां आतंकवादी छुपे हुए थे। सिह ने बताया, उन्हें समर्पण करने का मौका दिया गया लेकिन उन्होंने इससे इनकार किया और गोलीबारी कर दी। मुठभेड़ की शुरुआत में सीआरपीएफ के एक अधिकारी और एक जवान घायल हो गए।

दुनिया की कोई ताकत भारतीय सैनिकों को गश्त लगाने से नहीं रोक सकती

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा विवाद पर दिया करारा जवाब

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 17 सितंबर । लद्दाख के पूर्वी क्षेत्र में चीन की सेना के साथ जारी गतिरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत शांतिपूर्ण तरीके से सीमा मुद्दे के हल के लिए प्रतिबद्ध है और दुनिया की कोई ताकत भारतीय सैनिकों को लद्दाख क्षेत्र में हमारी सीमा पर गश्त लगाने ने नहीं रोक सकती है। सिह ने कहा कि हमने राजनयिक एवं कूटनीतिक माध्यम से पड़ोसी देश को बता दिया है कि यथास्थिति में एकतरफा ढंग से बदलाव का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य होगा। राजनाथ सिह ने पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर राज्यसभा में दिये अपने बयान में कहा चीन की गतिविधियों से पूरी तरह से स्पष्ट है कि उसकी कथनी और करनी' में अंतर है। क्योंकि जब बातचीत चल रही थी तब उसने यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया जिसे हमारे

सैन्य बलों ने विफल कर दिया।'' उन्होंने कहा, हम पूर्वी लद्दाख में चुनौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे वीर जवान इस चुनौती पर खरे उतरेंगे। हम मुद्दे को शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हम देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। '' सिह ने कहा, दुनिया की कोई ताकत भारतीय सैनिकों को गश्त लगाने से नहीं रोक सकती है। हमारे सैनिकों ने इसी के लिये अपना बलिदान दिया है। '' रक्षा मंत्री इस मुद्दे पर पूर्व रक्षा मंत्री एंटनी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण पर जवाब दे रहे थे जिसमें एंटनी ने कहा था कि गलवान घाटी में भी हमारे सैनिकों को अब उस बिदु तक गश्त करने की अनुमति नहीं है, जहां वे पहले गश्त करते थे। राजनाथ सिह ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि संघर्ष और आमना सामना इसी के कारण (गश्ती के मुद्दे) है। '' उन्होंने कहा कि गश्ती का पैटर्न पारंपरिक और अछी तरह से परिभाषित है। रक्षा मंत्री के बयान के बाद सदन में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि देश की एकता और अखंडता के मुद्दे पर हम सब एक हैं। आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी (कांग्रेस) चीन के साथ विवाद के मुद्दे पर सरकार के साथ पूरी तरह से खड़ी है। लेकिन कोई समझौता नहीं होना चाहिए और अप्रैल में वे (चीनी सैनिक) जहां थे, उन्हें वहीं जाना चाहिए। यह हमारा प्रयास होना चाहिए। बहरहाल, इससे पहले रक्षा मंत्री ने कहा, भारत तथा चीन दोनों ने औपचारिक तौर पर यह माना है कि सीमा का प्रश्न एक जटिल मुद्दा है जिसके समाधान के लिए संयम की आवश्यकता है तथा इस मुद्दे का उचित, व्यवहारिक और एक दूसरे को स्वीकार्य समाधान, शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत के द्वारा निकाला जाए।'' राजनाथ सिह ने कहा कि अभी तक भारतचीन के सीमावर्ती क्षेत्रों में साझा रूप से चिन्हित वास्तविक नियंत्रण रेखा नहीं है और वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों पक्षों की समझ अलग अलग है। उन्होंने कहा कि इसलिए शांति बहाल रखने के वास्ते दोनों देशों के बीच कई तरह के समझौते और प्रोटोकॉल हैं।

97 हजार नए कोरोना पॉजिटिव केस मिले 82 हजार से अधिक रिकवर भी हुए

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 17 सितंबर । देश में लगातार कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में नए मरीजों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। यह दूसरी बार है कि एक दिन में 97 हजार नए पॉजिटिव केस दर्ज किए गए हैं। कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 51 लाख से अधिक हो गई है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटों में 97,894 नए कोरोना के मामले सामने आए हैं। इतनी बड़ी संख्या में दूसरी बार पॉजिटिव केस मिले हैं। इससे पहले भी एक बार 97 हजार से अधिक केस सामने आ चुके हैं। पूरी दुनिया में एक दिन में इतने ज्यादा केस किसी भी देश में नहीं मिले हैं। पिछले एक सप्ताह से हर दिन करीब 90 हजार नए मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामलों को मिलाकर अब देश में कुल पॉजिटिव केस की संख्या

50 लाख का आंकड़ा पार करते हुए 51,18,254 हो गई है। वैश्विक स्तर पर कोरोना की यह दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। सबसे ज्यादा पॉजिटिव मामले अमेरिका में दर्ज किए गए हैं। कोरोना मरीजों की संख्या के साथ ही संक्रमितों की मौतों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना से जूझ रहे 1,132 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, पूरे देश में अब तक 83,198 लोग जान गवां चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रलाय का दावा है कि भारत का डेथरेट कई देशों की तुलना में सबसे कम है। आंकड़ों के मुताबिक कोरोना रिकवरी भी पहले से कहीं अधिक बढ़ी है।

पिछले 24 घंटे में चिकित्सकों ने 82,719 कोरोना संक्रमितों को पूरी तरह ठीक कर अस्पताल से छुट्टी दे दी है। जबकि, अब तक देशभर में 40,25,080 कोरोना संक्रमितों को ठीक किया जा चुका है। हालांकि, अभी भी 10,09,976 एक्टिव केस हैं, जिनका अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

एक नजर

नक्सली हिंसा में हो रही है कमी- सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि देश में नक्सली हिंसा में निरतंर कमी आई है तथा 2010 इस हिंसा में 1005 नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के कर्मियों की जान गयी थी जिनकी संख्या 2019 में घट कर 202 रह गयी। गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि चरमपंथी वामपंथ के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार ने 2015 में एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना तैयार की थी जिसमें सुरक्षा उपायों, विकास संबंधी पहल, स्थानीय समुदायों के अधिकार सुनिश्चित करना सहित बहुपक्षीय पहल शामिल थी। उन्होंने कहा कि देश में चरमपंथी वामपंथ संबंधी हिंसा और नक्सली प्रभाव वाले क्षेत्रों मे कमी आई है। उन्होंने बताया कि साल 2010 में नक्सली हिंसा में 1,005 नागरिक और सुरक्षा कर्मी मारे गए थे वहीं 2019 में यह आंकडा घट कर 202 रह गया है। उन्होंने बताया कि 2020 में 15 अगस्त तक नक्सली हिंसा में जान गंवाने वाले नागरिकों और सुरक्षा बलों की संख्या 102 थी जो साल 2019 की इसी अवधि में 137 थी।

अवैध शराब के 750 क्वार्टर के साथ महिला को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी के डाबड़ी पुलिस ने मिली एक इंफॉर्मेशन के आधार पर एक महिला को अवैध शराब के 750 क्वार्टर के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार हुई महिला राजापुरी की रहने वाली है. जिसकी उम्र महज 20 साल है. डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार डाबड़ी एसएचओ की देखरेख में कांस्टेबल शमशेर बीट नंबर आठ में पेट्रोलिंग कर रहे थे. उसी दौरान उन्हें एक इनफॉर्मर मिला, जिसने कांस्टेबल शमशेर को जानकारी दी कि राजापुरी के गली नंबर 5 में एक घर के सामने प्लास्टिक के कट्टों में अवैध शराब रखी पड़ी है. जिसके बाद कांस्टेबल शमशेर तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन कांस्टेबल को देखते ही वहां से एक महिला भागने लगी. कांस्टेबल ने तुरंत उस महिला का पीछा कर उसे पकड़ लिया और जब प्लास्टिक के कट्टे खोलकर देखा तो उसमें अवैध शराब के क्वार्टर भरे हुए थे. जिसके बाद कांस्टेबल ने शमशेर ने तुरंत इस बात की जानकारी डाबड़ी पुलिस थाने में दी. जिसके बाद मौके पर हेड कांस्टेबल राजकुमार और महिला कांस्टेबल सुशीला पहुंची।

शिक्षण संस्थानों में वाईस चेयरमैन नियुक्ति किये गये

नई दिल्ली । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी द्वारा कमेटी अधीन चल रहे शिक्षण संस्थानों में प्रबन्ध और बेहतर बनाने के लिए बुद्विजीवीयों का सहयोग लिया जा रहा है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष मनजिन्दर सिंह सिरसा, महासचिव हरमीत सिंह कालका सहित समुची टीम ने जब से जिम्मेवारी संभाली निरंतर यह प्रयास किये जा रहे हैं कि कैसे प्रबन्ध को और बेहतर बनाकर शिक्षा का स्तर उपर लिजाया जा सके। कमेटी द्वारा इस कार्य में बुधिजीवियों का सहयोग लिया जा रहा है जो कमेटी के साथ मिलकर प्रबन्ध को बेहतर बनाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे। इसी कड़ी में आज शालीमार बाग वार्ड के अनेक गणमान्य शख्सीयतों को कमेटी अधीन चल रहे गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल नानक प्याउ, इन्डिया गेट, करोल बाग में वाईस चेयरमैन नियुक्ति किया गया। इसके साथ ही गुरुद्वारा बंगला साहिब में चल रही गुरु हरिकृष्ण डिस्पैंसरी में भी वाईसचेयरमैन नियुक्ति किये गये। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष मनजिन्दर सिंह सिरसा, संयुक्त सचिव हरविन्दर सिंह केपी ने विशेष तौर पर पहुंचकर सभी नवनियुक्ति वाईस चेयरमैनों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

किसानों की पार्टी है शिरोमणी अकाली दल

अकाली दल ने तीन कृषि विधेयकों को विरोध किया: सुखबीर बादल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 17 सितंबर । शिरोमणी अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल ने आज लोकसभा से जुड़े तीन विधेयकों का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि वे 20 लाख किसानों, तीन लाख मंडी मजदूरों, 30 लाख खेत मजदूरों और 30 हजार आढ़तियों को तबाह कर देंगे। संसद में बादल ने किसानों के पक्ष में बोलने में विफल रहने और केवल शिरोमणी अकाली दल पर हमला करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की निंदा की। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने 2019 के राष्ट्रीय घोषणा पत्र में स्पष्ट कर दिया था कि वह एपीएमसी एक्ट को खत्म कर देगी। कई वादों को पूरा करने के लिए गुटका साहिब और दशम पिता के नाम पर पवित्र शपथ लेने वाले पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस हाईकमान के निर्देशों पर राज्य एपीएमसी एक्ट में संशोधन करते हुए यह बात साबित कर दी थी।

शिरोमणी अकाली दल के अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब की आजादी के बाद अपने कृषि बुनियादी ढ़ांचे को मजबूत करने के लिए आगे बढ़करी देश के खाद्यान्न आपूर्ति की जिम्मेदारी ली थी। %पंजाब ने 1980 में अनाज की जरूरत का 80 फीसदी आपूर्ति की और आज भी केंद्रीय पूल में 50 फीसदी अनाज की आपूर्ति जारी है।

सरदार बादल ने कहा सिर्फ इतना ही नही पंजाब ने राष्ट्र के लिए अपनी संपत्ति और जलसंसाधन का बलिदान किया है। हमने राज्य में स्थापित नहर और नलकूप नेटवर्क के कारण लगातपर कठोर परिस्थितियों में भी चावल का उत्पादन किया है। पंजाब के किसानों ने हमेशा हर कठिनाई में रहकर अनाज का उत्पादन किया है। सरदार बादल ने कहा कि शिरोमणी अकाली दल किसानों की पार्टी है तथा पंजाब की खरीद प्रणाली बहुत मेहनत से स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था ने जो दुनिया में सर्वश्रेष्ठ था इसमें छह गांवों को कवर करने वाले एक खरीद केंद्र के साथ 1900 खरीद केंद्र शामिल थे। उन्होने कहा कि यदि निजी कंपनियों को शुल्क चलाने की अनुमति दी गई तो इस प्रणाली के साथ साथ किसान भी मुश्किल में पड़ जाएंगे जिसके परिणामस्वरूप एकाधिकार हो जाएगा।

कांग्रेस के दुष्प्रचार को अकाली दल किया खारिज

अकाली दल अध्यक्ष ने कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को भी खारिज कर दिया कि पार्टी ने कृषि अध्यादेशों पर यू टर्न ले लिया है। सबसे पहले अकाली दल सलाह देने वाली प्रक्रिया में शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्रतिनिधि हरसिमरत कौर बादल ने मंत्रिमंडल की मीटिंग में स्पष्ट रूप से कहा था कि जब अध्यादेशों पर चर्चा हुई तो किसानों के साथ बातचीत के बाद व्यापक सहमति बनने तक देरी की जानी चाहिए। हमने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को इस बारे में अवगत कराया और यहां तक कि किसान प्रतिनिधियों के साथ साथ विशेषज्ञों से भी बातचीत की। हमने किसानों द्वारा बताई गई आशंकाओं से अवगत करवाया कि यह अधिनियम उन्हे दीर्घकाल में केंद्र को नुकसान पहुंचाएगा लेकिन कोई समाधान नही किया गया। यही कारण है कि शिरोमणी अकाली दल ने आज बिलों का विरोध करना चुना है।

कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिये केन्द्र द्वारा मंजूर एंटी वायरल दवा है: न्यायालय

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 16 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि केन्द्र सरकार ने कोविड19 के इलाज के लिये रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर दवाओं को मंजूरी दे रखी है।

शीर्ष अदालत कोविड 19 के इलाज की इन दो दवाओं का कथित रूप से बगैर वैध लाइसेंस के ही उत्पादन और बिक्री करने वाली दस भारतीय दवा कंपनियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के लिये दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर एंटी वायरल दवायें हैं और कोविड19 के मरीजों के इलाज में इनकी उपयोगिता को लेकर चिकित्सा विशेषज्ञों में बहस छिड़ी हुयी है।

प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने नई दवायें और क्लिनिकल ट्रायल नियम, 2018 का उल्लेख करते हुये कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज के लिये इन दवाओं के इस्तेमाल की अनुमति दी है।

पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता एम शर्मा से कहा कि आपने इन नियमों पर ध्यान दिये बगैर ही याचिका दायर कर दी। हम इस मामले की सुनवाई स्थगित कर रहे हैं। आप इन नियमों को देखिये और फिर आइये। पीठ ने इस मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिये स्थगित करते हुये कहा कि रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर को भारत सरकार की मंजूरी प्राप्त है।

शर्मा ने इस मामले में सीबीआई जांच का अनुरोध करते हुये यह जनहित याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि कोविड19 के मरीजों के इलाज के लिये केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से वैध लाइसेंस के बगैर ही भारत में इन दवाओं का उत्पादन और बिक्री की जा रही है।

याचिका में कहा गया है कि इन दवाओं को कोविड19 के मरीजों के लिये आज तक किसी भी देश ने प्रमाणित नहीं किया है।

समान नागरिक संहिता पर व्यापक स्तर पर विचार विमर्श अपेक्षित: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत के संविधान में सभी राज्य क्षेत्र के नागरिकों के लिये एक समान ''सिविल संहिता'' के लिये प्रयास करने की बात कही गई है हालांकि इसके लिये व्यापक स्तर पर विचार विमर्श अपेक्षित है।

लोकसभा में दुष्यंत सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में विधि एवं न्याय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''भारत के संविधान का अनुच्छेद 44 कहता है कि राज्य, भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयाय करेगा।'' उन्होंने कहा, ''सरकार इस संवैधानिक जनादेश के सम्मान के लिये प्रतिबद्ध है।

तथापि इसके लिये व्यापक स्तर पर परामर्श अपेक्षित हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार की समान नागरिक संहित के अंतर्गत कुछ धर्मों को प्रदत्त अल्पसंख्यक दर्जे को समाप्त करने की योजना है, मंत्री ने कहा, ''जी, नहीं।''

'युवा शक्ति' और 'ज्ञान शक्ति' मिलकर भारत को वैश्विक शक्ति बनाएंगे: डॉ. निशंक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 16 सितंबर । केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा है कि देश के युवाओं की शक्ति एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रस्तावित प्रावधानों से मजबूत होने वाली शिक्षा भारत को एक वैश्विक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। डॉ. निशंक ने बुधवार को यहाँ राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के समन्वयकों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा,'भारत 35 वर्ष से कम आयु की 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाला सबसे युवा देश है। हम जिस चैथी औद्योगिक क्रांति की बात करते हैं वो युवाओं पर ही निर्भर करती है। इतनी बड़ी युवा जनसंख्या और सेवा क्षेत्र में हमारा प्रभुत्व होने के कारण (जिसमें कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा है) ज्ञान हमारी अर्थव्यवस्था का प्रमुख कारक बन जाता है। इस ज्ञान की शक्ति को पाने के लिए ही

हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसा महायज्ञ, महाअनुसंधान आरंभ किया है। आप लोगों की 'युवा शक्ति' और यह 'ज्ञान शक्ति' जब मिल जाएंगे तब भारत को 'वैश्विक शक्ति' बनने से कोई रोक नहीं पायेगा।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति 2020 के रूप में हम एक ऐसा विजन देश के समक्ष लेकर आए हैं जो एक नए, शिक्षित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा। केंद्रीय मंत्री ने इस बैठक के माध्यम से अभिभावकों, शिक्षकों, स्कूलों, छात्रों, शिक्षाविदों, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस जैसे सगठनों, स्वंसेवी सस्थाओं आदि का आवाहन किया और उनसे कहा कि वो इस नीति के क्रियान्वयन हेतु सुझाव दें, चर्चा करें और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए जागरूकता अभियान एवं शिक्षा संवाद की शुरुआत करें। डॉ. निशंक ने हर युवक, छात्र, शिक्षक एवं संस्था को इस नीति का ब्रांड एंबेसडर बताते हुए कहा कि आज का यह शिक्षा संवाद और युवा संवाद एक राष्ट्रीय संवाद है जिसमें सबके विचार सुने और समझे जायेंगे।

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में 224 मोबाइल ऐप प्रतिबंधित किये- धोत्रे

नई दिल्ली। लोकसभा को बुधवार को सूचित किया गया कि केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के हित में 224 मोबाइल ऐप को प्रतिबंधित कर दिया है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की रक्षा के हित में सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69ए के प्रावधानों के तहत टिकटॉक, हेलो और वीचैट समेत 224 मोबाइल ऐप प्रतिबंधित किये हैं।''

सरकार ने जून में टिकटॉक, यूसी ब्राउजर, शेयरइट, वीचैट, कैमस्कैनर और एमआई कम्युनिटी समेत 59 चीनी ऐप को प्रतिबंधित कर दिया था।

ट्विटर पर बेरोजगारी हुआ ट्रेंड तो छलका कुमार विश्वास का दर्द

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने देश में न सिर्फ बीमारी को काल की तरह जन्म दिया बल्कि कोरोना के कारण देश में नौकरियों का अकाल पड़ गया है। कोरोना जैसेजैसे बढ़ता जा रहा है वैसे ही बेरोजगारी का प्रकोप भी देश में बढ़ता ही जा रहा है। शायद यही मुख्य कारण है जिसके चलते आज पीएम मोदी के जन्मदिवस के दिन देश के युवा राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मना रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस आज पूरे दिनन ट्रेंड करता रहा है और लगातार पहले नंबर पर बना हुआ है। ये वैसा ही है जैसा कुछ दिनों पहले पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के ऑनलाइन वीडियो को युवाओं और छात्रों द्वारा भारी संख्या में डिसलाइक किया गया था। युवाओं द्वारा अपनी नाराजगी इस तरह से दर्शाने को लेकर कवि कुमार विश्वास ने लिखा है, माँ की बीमारी,बहन की शादी,खेत पर क़र्ज़ा और अल्हड़ मुहब्बत से किया वादा,सिर्फ़ इसलिए लाचार है क्यूँकि सरकारों की संकल्पशक्ति बेकार है?

कुमार विश्वास ने इस पोस्ट को ट्विटर के साथ ही फेसबुक पर पोस्ट किया है। फेसबुक पर कुमार विश्वास ने इस पोस्ट में अपने संस्मण लिखे हैं और उसे मौजूदा हालात से जोड़ा है। बताते चले, मोदी सरकार ने रोजगार के मुद्दे को उठा कर चुनाव जीता था। खुद पीएम मोदी युवाओं के बीच इसलिए चर्चित हुए क्योंकि युवाओं ने हमेशा उन्हें अपनी तरफ खड़ा समझा लेकिन लॉकडाउन और पिछले मोदी सरकार के कार्यकाल को देखते हुए युवाओं का विश्वास टूटा है।

आप ने बनाया दबाव, किसान विरोधी बिलों को वापस ले केन्द्र सरकार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। कृषि अध्यादेश को लेकर केंद्र सरकार से आम आदमी पार्टी के संयोजक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दो टूक कहा है कि खेती और किसानों से संबंधित तीनो कानून किसान विरोधी हैं। देश भर में किसान इनका विरोध कर रहे हैं। केंद्र सरकार को इन तीनों क़ानूनों को वापस लेना चाहिए। आम आदमी पार्टी संसद में इनके विरोध में वोट करेगी। आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर किसानों के साथ खड़े होने का ऐलान किया है।

पार्टी के लोकसभा सांसद भगवंत मान ने कहा कि आप' और किसानों के विरोध के बाद शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस ने एमएसपी अध्यादेश पर यूटर्न ले लिया है, यह हमारी जीत है। कुछ दिन पहले तक शिरोमणि अकाली दल इन किसान

आप करेगी इन कानूनों का विरोध: अरविंद केजरीवाल

विरोधी बिलों का समर्थन कर रहा था और आज वे मगरम4छ के आंसू बहा रहे हैं। पंजाब में कांग्रेस के सीएम और वित्त मंत्री, दोनों ने पहले इन बिलों का समर्थन किया था।

उन्हें इन किसान विरोधी बिलों को तब रोकना चाहिए था, जब ये शुरूआती चरण में थे और तब इन बिलों को संसद तक पहुंचने ही नहीं देना चाहिए था।

भगवंत मान ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर को उस दिन इस्तीफा देना चाहिए था, जब केंद्रीय कैबिनेट में यह बिल आया था और वो मौजूद थी, लेकिन तब उन्होंने सहमति दे दी।

वहीं आप' विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि एमएसपी बिल के जरिए शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस का असली चेहरा किसानों के सामने बेनकाब हो गया है। हम संसद के अंदर और बाहर अपना विरोध जारी रखेंगे और लोगों को बताएंगे कि शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस दोनों किसान विरोधी हैं।

सुशांत की मौत जहर खाने से हुई या नहीं एम्स अगले हफ्ते बताएगा अपनी राय

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत जहर से हुई थी या नहीं इस बारे में जल्द ही पता चल जाएगा। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का फॉरेंसिक बोर्ड इस मामले में अगले सप्ताह **CBI** के साथ अपनी अंतिम चिकित्सा राय साझा करेगा। दिल्ली एम्स से तीन सदस्यीय डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने सीबीआई के साथ मिलकर पिछले सप्ताह सुशांत के मुंबई स्थित घर का दौरा कर कुछ अहम सबूत भी इकट्ठा किए थे। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को मुंबई स्थित अपने घर में मृत पाए गए थे। एम्स में फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख (प्रोफेसर) डॉ. सुधीर गुप्ता ने गुरुवार को एएनआई को बताया कि हम मेडिकल बोर्ड की बैठक और बाद में सीबीआई के साथ होने वाली बैठक के बाद इस मामले का अध्ययन कर रहे हैं। अगले सप्ताह सीबीआई को इस मेडिकल बोर्ड की राय सौंप दी जाएगी। मुझे उम्मीद है कि यह बिना किसी भ्रम या संदेह के अंतिम निष्कर्ष होगा। फिलहाल यह मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण हम यह रिपोर्ट साझा नहीं कर सकते। डॉ. गुप्ता जो सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में गठित मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने कहा कि हमें अंतिम चिकित्सा राय देने से पहले केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) के निष्कर्षों और सीबीआई के जांच निष्कर्षों को भी समझना होगा। 7 सितंबर को एएनआई ने बताया था कि एम्स की फॉरेंसिक टीम ने सुशांत की मौत में जहर की जांच के लिए विसरा टेस्ट किया था।

जुमला दिवस और बेरोजगारी दिवस के रूप में मना प्रधानमंत्री का 70वां जन्मदिन

मोदी जी के जन्मदिवस पर देशभर के बेरोजगार युवा दिखे भारी आक्रोश में

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 70वां जन्मदिवस देशभर के युवाओं ने यादगार बना दिया। युवा हल्ला बोल आंदोलन की अपील पर इस दिन को युवाओं ने जुमला दिवस की तरह मनाया तो कई अन्य युवा संगठनों और राजनीतिक दलों ने बेरोज़गारी दिवस का आह्वाहन भी किया। कुल मिलाकर बेरोज़गार युवाओं ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर अपना एजेंडा सेट कर दिया। युवा हल्ला बोल आंदोलन से जुड़े अलग अलग समूहों और भर्तियों से संबंधित बेरोज़गार छात्रों ने कहा कि मोदी जी द्वारा युवाओं से किये गए वादे सिर्फ जुमले साबित हुए हैं। यही कारण है कि इस दिन को जुमला दिवस की तरह मनाकर बेरोज़गारी के सवाल पर देश का ध्यान आकृष्ट किया गया।

युवा हल्ला बोल के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम ने कहा कि देश का विकास तभी संभव है जब इस भीषण बेरोज़गारी को दूर करने के उपाय किये जाएंगे। इस सफल डिजिटल प्रोटेस्ट पर सभी को बधाई देते हुए अनुपम ने कहा कि बिना टीवी

मीडिया की मदद के और बिना राजनीतिक दलों के आगे पीछे किए युवाओं ने आज अपना एजेंडा खुद सेट कर लिया। 17 सितम्बर के जुमला दिवस और बेरोज़गारी दिवस की ज़ोरदार सफलता से मोदी जी को ये भी संदेश मिल गया होगा कि देश के युवा कितने आत्मनिर्भर हो चुके हैं। अब ये बेरोज़गार युवा मीडिया या पार्टियों के भरोसे नहीं हैं।

17 सितम्बर को दिनभर युवाओं में बेरोज़गारी के मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश दिखा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में नई संविदा नीति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज की भी सूचना मिली। शहर के बालसन चौराहे पर युवा मंच के नेतृत्व में भारी संख्या में युवाओं ने संविदा नियमावली को वापिस लेने की मांग की जिसके बाद उनपर लाठीचार्ज और गिरफ्तारी की खबर है। युवा हल्ला बोल ने युवाओं पर हुई पुलिस की कार्रवाई पर रोष प्रकट किया है।

युवा हल्ला बोल के नेशनल कॉर्डिनेटर गोविंद मिश्रा ने बताया कि संगठन के हेल्पलाइन पर छात्र युवा लगातार संपर्क करके अपनी व्यथा और पीड़ा साझा कर रहे हैं। कई तरह की सरकारी भर्तियां हैं जिनमें या तो विज्ञापन नहीं निकलता, या परीक्षा नहीं होती, या धांधली गड़बड़ी हो जाती है, या परिणाम नहीं निकलता या फिर समय पर नियुक्ति नहीं मिलती। लेकिन अफसोस कि बात है कि सरकार इन प्रक्रियायों को सुधारने के प्रति गंभीर नहीं है। उल्टा रोज़गार के अवसरों में कटौती करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। युवा हल्ला बोल इन मुद्दों को आगे भी मजबूती से उठाकर न्याय की लड़ाई लड़ता रहेगा। अब भी हम निवेदन करते हैं कि यह सरकार और इसके मुखिया युवाओं से किये गए अपने वादों को जल्द से जल्द पूरा करे। वरना कहीं ऐसा न हो कि आने वाले हर साल 17 सितंबर को जुमला दिवस की तरह ही याद किया जाने लगे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

ICICI होम फाइनेंस की कुशल कामगारों के लिये कर्ज योजना

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई होम फाइनेंस ने दिल्ली में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कुशल कामगारों के लिये नई ऋण योजना 'अपना घर ड्रीम्ज' शुरू की है। इसके तहत 2 लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का कर्ज लिया जा सकता है। कंपनी ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि योजना शहर में काम करने वाले बढ़ई, बिजली मिस्त्री, दर्जी, पेंटर, बेल्डिंग का काम करने वाले, नल ठीक करने वाले (प्लंबर), वाहन मिस्त्री, विनिर्माण मशीन चलने वाले, आरओ ठीक करने वाले, लघु और मझोले कारोबार करने वाले, किराना दुकानदारों के लिये है। आईसीआईसीआई होम फाइनेंस ने कहा कि ऋण योजना असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले उन लोगो के लिये है जो अपना घर खरीदना चाहते हैं लेकिन उनके पास वे दस्तावेज नहीं हैं, जिसकी मांग आमतौर पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा कर्ज देने को लेकर की जाती है। इस योजना के तहत ग्राहक 20 साल के लिये कर्ज ले सकते हैं। दस्तावेज के रूप में उन्हें सिर्फ पैन और आधार तथा छह महीने के बैंक खाते का ब्योरा देना होगा। पांच लाख रुपये तक के कर्ज के लिये न्यूनतम 1,500 रुपये जबकि 5 लाख रुपये से अधिक के कर्ज के लिये न्यूनतम 3,000 रुपये खाते में होने चाहिए। पेशेवरों और स्थानीय छोटे कारोबारियों को अपना घर खरीदने के सपने को पूरा करने के लिये कर्ज की पेशकश करना है।

महिला ने ब्लेड से अपना हाथ काटकर लिखा स्कूल प्रिंसिपल का नाम

गाजियाबाद । गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में उस समय अफरातफरी मच गई जब बुधवार शाम को एक महिला ने अपनी बेटी के स्कूल पहुंचकर ब्लेड से अपना हाथ काटकर उस पर स्कूल प्रिंसिपल का नाम लिख दिया। जब इस मामले की शिकायत प्रिंसिपल ने पुलिस को दी तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को हिरासत में ले लिया। प्रिंसिपल ने महिला के खिलाफ विजयनगर थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई है। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, विजयनगर के सर्वोदय नगर में सेंट टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल है।

महिला बेटी इस स्कूल में तीसरी क्लास में पढ़ती है। वहां की प्रिंसिपल ने रिपोर्ट में कहा है कि यह महिला स्कूल में आकर बिना वजह उन्हें व स्कूल के स्टाफ को परेशान करती है। बुधवार को उसने स्कूल में आकर जबरन मुझसे मिलने की कोशिश की, लेकिन मैंने मिलने से साफ मना कर दिया तो महिला ने प्रिंसिपल के मोबाइल फोन पर रिवॉल्वर का फोटो भेजते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दे डाली। फिर इसके बाद अपना हाथ कटा फोटो भेजकर आत्महत्या करने की धमकी दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार शाम करीब छह बजे महिला अपने हाथ में ब्लेड लेकर प्रिंसिपल को जान से मारने के लिए स्कूल आई। वह जबरन स्कूल परिसर में बने घर के कमरे में भी घुस गई थी।

दिल्ली में 10-15 दिनों तक मरीजों की संख्या और बढ़ने की संभावना

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिस से कोरोना के एक्टिव केसों में वृद्धि पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि हमने **COVID**19 टेस्ट को चार गुना तक बढ़ाया है, जिसके कारण दिल्ली में 1015 दिनों तक और मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इससे संक्रमित मामलों को अलग करने में मदद मिलेगी और राजधानी पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जैन ने कहा कि दिल्ली में बुधवार को 4,473 नए **COVID**19 मामले सामने आए और कुल 62,553 टेस्ट किए गए थे जबकि संक्रमण की दर 7.15 दिन थी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों से मृत्यु दर 0.7त्न है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फिलहाल 14,521 बेड्स

उपलब्ध है, जिनमें से 50**%** बेड्स पर मरीज भर्ती हैं। जानकारी के अनुसार, राजधानी दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों ने एक बार फिर आम इंसान से लेकर सरकार तक सभी की चिंता बढ़ा दी है। यहां एक्टिव केस से लेकर कंटेनमेंट जोन तक सभी में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। दिल्ली में फिलहाल संक्रमण की दर 7.15 प्रतिशत है, जबकि मृत्युदर 2.1 प्रतिशत हो गई है। बुधवार को दिल्ली में कोरोना के करीब 4,500 नए केस मिलने के बाद यहां संक्रमितों की कुल संख्या 2 लाख 30 हजार के पार पहुंच गई है। वहीं संक्रमण से 33 और लोगों की मौत होने से मृतकों संख्या भी बढ़कर 4,839 हो गई। इसके साथ ही एक्टिव केस भी बढ़कर करीब 31 हजार के करीब पहुंच गए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 4,473 नए मरीज मिले हैं, वहीं, 33 मरीजों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में संक्रमितों की कुल संख्या 2,30,269 हो गई है। आज दिल्ली में 3081 मरीज पूरी तरह ठीक होकर अपने घर चले गए।

कोविड के चलते दिल्ली-एनसीआर में दोगुनी हुई ऑक्सीजन की मांग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली एनसीआर सहित अन्य जगहों के अस्पतालों में कोरोना के गंभीर मरीज बढ़ने से ऑक्सीजन की खपत बढ़ गई है। दिल्ली में इसकी मांग दोगुनी से अधिक हो गई है। गाजियाबाद के अस्पतालों में जहां पहले एक सिलेंडर का उपयोग दो दिनों तक होता था। अब एक दिन में दो से ज्यादा सिलेंडर की जरूरत पड़ रही है। फरीदाबाद में 200 से 300 रुपये के बीच मिलने वाले सिलेंडर के लिए 800 से 1000 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। गुरुग्राम में जो 10 लीटर का ऑक्सीजन का सिलेंडर 100 रुपये में भरा जता था वह 300 रुपये में भर रहा है।

कोरोना के साथ दिल्ली में ऑक्सीजन की मांग दोगुनी से अधिक बढ़ गई है। दिल्ली में आमतौर पर पानीपत, भिवाड़ी के प्लांट से

ऑक्सीजन आता है। वहीं से इसकी जरूरत पूरी हुई है। सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि मेडिकल क्षेत्र में आपूर्ति चेन नहीं टूटनी चाहिए। दिल्ली में ऑक्सीजन सप्लायर रोहित अग्रवाल ने बताया कि इस समय 90 फीसदी ऑक्सीजन मेडिकल फील्ड में जाता है। उसके दरों को भी सरकार ने फिक्स किया है। 17 रुपये 49 पैसे प्रति क्यूबिक मीटर की दर से ऑक्सीजन मेडिकल क्षेत्र में जा रहा है। एक अन्य आपूर्तिकर्ता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि मेडिकल क्षेत्र में ऑक्सीजन की डिमांड बढ़ने और सरकार के सख्त निर्देशों से इंडस्ट्री में जो ऑक्सीजन की मांग थी, वह प्रभावित हुई है। वहां मांग पूरी नहीं हो पा रही है। इसके चलते जरूर कुछ सप्लायर मेडिकल क्षेत्र की ऑक्सीजन को इंडस्ट्री में 58 गुना अधिक दाम पर बेच रहे हैं।

दिल्ली दंगों की नई चार्जशीट पर सुनवाई 21 को, नताशा नरवाल को मिली जमानत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उत्तर पूर्वी दिल्ली हिंसा मामले के संबंध में दिल्ली पुलिस द्वारा आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत दायर चार्जशीट का गुरुवार को संज्ञान लिया। अदालत इस मामले में 21 सितंबर को सुनवाई करेगी। इस बीच, जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के बाहर विरोधप्रदर्शन के लिए गिरफ्तार की गई पिंजरा तोड़ ग्रुप की सदस्य नताशा नरवाल को आज जमानत मिल गई। जानकारी के अनुसार, अब तक गिरफ्तार किए गए 21 लोगों में से पुलिस ने 15 आरोपियों के खिलाफ जांच के दौरान वैज्ञानिक, दस्तावेजी और डॉक्यूमेंट्री सबूतों के आधार पर चार्जशीट दायर की है। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि शेष 6 व्यक्तियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत एकत्र करने, वैधानिक और प्रक्रियात्मक आवश्यकताएं पूरी करने के बाद तय समय पर चार्जशीट दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इन सभी 15 आरोपियों को को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), आईपीसी और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत

आरोपी बनाया गया है। अदालत ने आज दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह चार्जशीट की कॉपी आरोपी व्यक्तियों को उपलब्ध कराए। वे सुनवाई की अगली तारीख 21 सितंबर को कोर्ट में पेश हों। बता दें कि, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली दंगों के मामले में आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 15 आरोपियों के खिलाफ बुधवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून, आईपीसी और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत कड़कड़डूमा कोर्ट में 17,000 से अधिक पन्नों की एक और चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट में ताहिर हुसैन के अलावा इशरत जहां, खालिद सैफी, मीरान हैदर, सफूरा जरगर, नताशा नरवाल, देवांगना कलिता, आसिफ इकबाल तन्हा, शादाब अहमद, मोहम्मद परवेज अहमद, मोहम्मद इल्यास, सफा उर रहमान, तस्लीम अहमद, सलीम मल्लिक, अथर खान के नाम शामिल हैं।

अयोध्या में हवाई अड्डा के लिए पहले चरण में भूमि की जरूरत

नई दिल्ली, 16 सितंबर। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को संसद में जानकारी दी कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने उत्तर प्रदेश सरकार को बताया है कि अयोध्या में हवाईअड्डे के निर्माण के लिए उसे पहले चरण में 478.1 एकड़ भूमि की जरूरत है। पुरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया, ''उत्तर प्रदेश ने सूचित किया है कि उन्होंने भूमि के अधिग्रहण के लिए अभी तक 525.92 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं।'' उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर एएआई की एक टीम ने दिसंबर 2019 में बड़े आकार के विमान के प्रचालन के लिए तथा हवाई अड्डे को और अधिक विकसित करने के क्रम में अध्ययन के लिए अयोध्या के मौजूदा हवाईअड्डे का दौरा किया।

पुरी ने बताया, ''तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या में यात्री यातायात में अपेक्षित वृद्धि के अनुरूप हवाईअड्डे का विकास दो चरणों में किया जाना उपयुक्त है।

दिल्ली दंगों के लिए भाजपा जिम्मेदार, AAP नेता ने कहा- सभी जानते हैं पार्टी ने दंगों में कैसे योगदान दिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के लिए भाजपा जिम्मेदार है और यह साबित करने के लिए सार्वजनिक रिकॉर्ड हैं कि उसके नेताओं ने दो समुदायों के बीच नफरत फैलाई थी। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को यह बात कही। उत्तरपूर्वी दिल्ली हिंसा मामले में हाल ही में हुई गिरफ्तारियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी भाजपा को दंगे भड़काने के लिए जिम्मेदार ठहराती है। उन्होंने कहा कि क्क का स्पष्ट रूप से मानना है कि दिल्ली के दंगों के लिए भाजपा और उसके मुख्य लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच की जरूरत नहीं है क्योंकि सार्वजनिक रिकॉर्ड यह दिखाने के लिए उपलब्ध हैं कि वे दो समुदायों के बीच नफरत कैसे फैलाते हैं और उन्होंने इस हद तक नफरत को बढ़ाया कि इससे दंगे हुए। सभी जानते हैं कि पार्टी ने दंगों में कैसे योगदान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पॉलिटिकल विंग बन गए हैं। भारद्वाज ने दावा किया, सभी

जानते हैं कि पुलिस, ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग, ये सभी भाजपा के पॉलिटिकल विंग की तरह हैं, जैसे यूथ विंग, महिला विंग, ट्रेडर्स विंग हैं, इसलिए ये भाजपा की दिल्ली पुलिस विंग और भाजपा की सीबीआई विंग है। उनकी विश्वसनीयता कम है, इसलिए उन पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस अपनी कल्पना के अनुसार किसी का भी नाम ले सकती है। वहीं इस पर पलटवार करते हुए, दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा कि मामला अदालत में है और पूछताछ अदालत की निगरानी के तहत हो रही है। **AAP** इस जांच से इतना डरती क्यों है? उन्होंने दावा किया कि दंगों के मामले में आरोपी निलंबित **AAP** नेता ताहिर हुसैन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच संबंध हैं। भारद्वाज ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के लिए केंद्र सरकार ने चीन से बड़े पैमाने पर कर्ज लिया है। इस आरोप के जवाब में, खुराना ने कहा कि भारद्वाज को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा करना चाहिए। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच 24 फरवरी को उत्तरपूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे।

सेवा सप्ताहः यमुना विहार में 200 महिलाओं को बांटी गईं साड़ियां

नई दिल्ली, 16 सितंबर (वेबवार्ता)। यमुना पार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा सप्ताह के मौके पर उत्तर पूर्वी जिले के यमुना विहार मंडल की तरफ से कार्यक्रम किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में पूर्व चेयरमैन एवं निगम पार्षद प्रमोद गुप्ता ने यमुना विहार में संगठन मंत्री सिद्धार्थन के मार्गदर्शन में दो सौ महिलाओं को साड़ी, सैनिटाइजर, मास्क और काढ़े का वितरण किया।

यमुना विहार इलाके में सेवा सप्ताह के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन मंत्री सिद्धार्थन के साथ ही कथा वाचक अजय भाई, उत्तर पूर्वी जिलाध्यक्ष मोहन गोयल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता यमुना विहार मंडल अध्यक्ष मुकेश गोयल ने की, जबकि कार्यक्रम में डॉ. यूके चैधरी, जगदीप गौतम, पुनीत कुमार, मधु चावला, महेश अत्री, नितिन शर्मा, शीतल शुक्ला, वंदना सचदेवा, माला सक्सेना, अजय मोहन शर्मा समेत बहुत से कार्यकर्ता मौजूद रहे. कार्यक्रम की शुरुआत दीप द्वीप प्रज्वलित और चित्र पर माल्यार्पण करके की है तत्पश्चात संगठन मंत्री सिद्धार्थन और प्रमोद गुप्ता ने कार्यक्रम में मौजूद कथावाचक अजय भाई जबकि वंदना सक्सेना ने सिद्धार्थन का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया. शुरुआत में प्रमोद गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में सभी उपस्थित महिलाओं से 17 सितंबर को जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु होने की प्रार्थना करने का अनुरोध किया. जिलाध्यक्ष मोहन गोयल ने बताया कि कैसे सप्ताहभर प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा सप्ताह के रूप में हर रोज कोई न कोई कार्यक्रम करके मनाया जा रहा है।

अंतर-जातीय विवाह करने वालों के लिए सरकार का ऐलान, दिल्ली के हर जिले में बनेंगे स्पेशल सेल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट को बताया है किया कि अंतर जातीय विवाह करने वाले जोड़ों को पेश आने वाले खतरों से निपटने के लिए राजधानी के हर पुलिस जिले में 15 स्पेशल सेल बनाए जाएंगे।

दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने बुधवार को हाईकोर्ट को सौंपी एक स्टेटस रिपोर्ट में बताया है कि उसने इस संबंध में 28 अगस्त को ही दिल्ली के सभी 15 पुलिस जिलों में डिस्ट्रिक्ट स्पेशल सेल के रूप में अधिकारियों की 15 समितियों का गठन करने का एक आदेश जारी कर दिया है। दिल्ली सरकार ने जस्टिस जे.आर.मिधा और जस्टिस बृजेश सेठी की बेंच को बताया कि संबंधित जिलों के पुलिस उपायुक्त इन स्पेशल सेल के कामकाज के लिए समन्वय अधिकारी होंगे। सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट में कहा है कि शक्ति वाहिनी बनाम भारत सरकार और

अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार स्पेशल सेल काम करेगी।

सरकार ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि 21 अगस्त, 2020 को अंतरजातीय विवाह करने वाले जोड़ों की याचिका / उत्पीड़न और धमकी की शिकायतों के संबंध में प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि दिल्ली में हर पुलिस जिले में स्पेशल सेल बनाया जाए। स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में हर राजस्व जिले में ये स्पेशल सेल बनाए जाएंगे, जिसमें पुलिस उपायुक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। रिपोर्ट में यह कहा गया है कि उक्त बैठक में समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधियों ने उल्लेख किया है कि उनका विभाग अंतरजातीय विवाह करने वाले जोड़ों के उत्पीड़न और धमकी की शिकायतों के बारे में 24घंटे की नई हेल्पलाइन का निर्माण और प्रबंधन करेगा।

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में दाखिले के लिए अलग से मानदंड बनाने पर दिल्ली सरकार को फटकार

नई दिल्ली, 16 सितंबर (वेबवार्ता)। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में दाखिले के लिए अलग से मानदंड बनाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है. जस्टिस जयंत नाथ की बेंच ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। बता दें कि ये याचिका 11वीं में दाखिला लेनेवाले छात्र सुमित गुप्ता ने दायर की है. याचिकाकर्ता की ओर से वकील अशोक अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के मानदंड मनमाने और भेदभावपूर्ण हैं. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि अगर ये मानदंड कानून के मुताबिक खरे नहीं उतरते हैं तो याचिकाकर्ता छात्र को मुआवजा देना होगा. याचिकाकर्ता छात्र ने त्रिलोकपुरी के एक स्कूल से दसवीं पास किया है। आगे ही बेहतर शिक्षा के लिए उसने साइंस स्ट्रीम से पढ़ने के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में दाखिले के लिए आवेदन किया. दिल्ली में स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के पांच स्कूल हैं. छात्र को हिन्दी में 49 फीसदी अंक आए थे लेकिन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में दाखिले के लिए हिन्दी में 51 फीसदी अंक निर्धारित है. स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में साइंस में दाखिले के लिए गणित में 71 फीसदी, अंग्रेजी में 61 फीसदी, सोशल साइंस में 51 फीसदी, और हिन्दी में 51 फीसदी अंक निर्धारित हैं. जबकि छात्र को साइंस में 77 फीसदी, गणित में 87 फीसदी, अंग्रेजी में 87 फीसदी, सोशल साइंस में 57 फीसदी, और हिन्दी में 49 फीसदी अंक आए थे। दूसरे सरकारी स्कूलों में 11वीं में दाखिले के लिए साइंस स्ट्रीम में कुल 55 फीसदी अंक निर्धारित हैं।

लोकसभा में उठा पाकिस्तान की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों का मुद्दा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (वेबवार्ता)। लोकसभा में भाजपा के एक सदस्य ने पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठाया और सरकार ने इनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाने की मांग की। शून्यकाल के दौरान निचले सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए दमन दीव के सांसद लालूभाई बाबूभाई पटेल ने कहा कि पाकिस्तान की जेलों में काफी संख्या में भारतीय मछुआरे कैद हैं और उनकी काफी नौकाएं भी जब्त कर ली गई हैं।

उन्होंने कहा कि इन मछुआरों के परिवारों को उनके कुशलक्षेम की जानकारी भी नहीं मिल पाती है, इससे परिवार के लोग काफी परेशान रहते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि इस विषय पर पाकिस्तान के साथ बात करके कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए। शून्यकाल के दौरान बीजद के भतृहरि माहताब ने कहा कि ओडिशा में भारी मात्रा में लौह अयस्क, क्रोमाइट, लिग्नाइट, बॉक्साइट पाया जाता है लेकिन पिछले कुछ समय से उसे वाजिब रॉयल्टी नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी की पिछली बार समीक्षा सितंबर 2014 में की गई थी। जबकि इसकी समीक्षा तीन साल में होनी चाहिए। ऐसा नहीं होने के कारण ओडिशा प्रभावित हो रहा है। ऐसे में जल्द रॉयल्टी से जुड़े मुद्दे की समीक्षा की जाए। वाईएसआरसीपी पार्टी के मिथुन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार के दौरान राज्य के बंटवारे के बाद नई राजधानी की घोषणा के समय जमीन की हेराफेरी किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नई राजधानी की घोषणा से पहले बड़ी मात्रा में काफी सस्ती दर पर जमीन खरीदी गई। यह एक बड़ा घोटाला है। रेड्डी ने कहा कि चूंकि उनकी पार्टी की अभी राज्य में सरकार है, ऐसे में वह चाहते हैं कि इस मामले की सीबीआई से जांच हो। शून्यकाल के दौरान जदयू के सुनील कुमार पिंटो ने बिहार के सीतामढ़ी स्थित रीगा चीनी मिल पर किसानों की बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रीगा चीनी मिल पर किसानों का करीब 100 करोड़ रूपया बकाया है, किसान परेशान हैं। ऐसे में किसानों की बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाये जाएं।

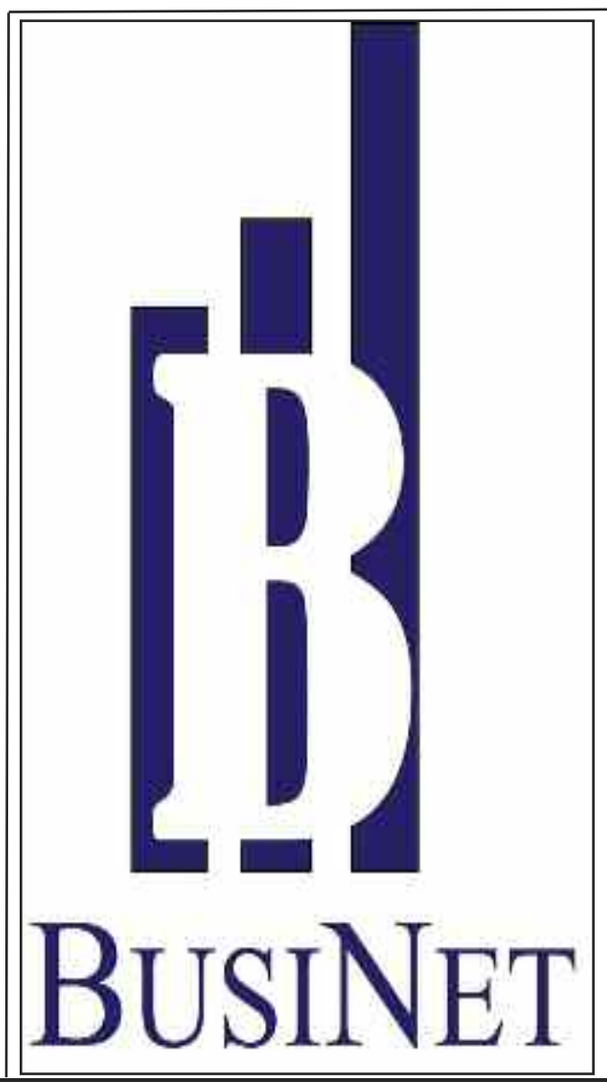

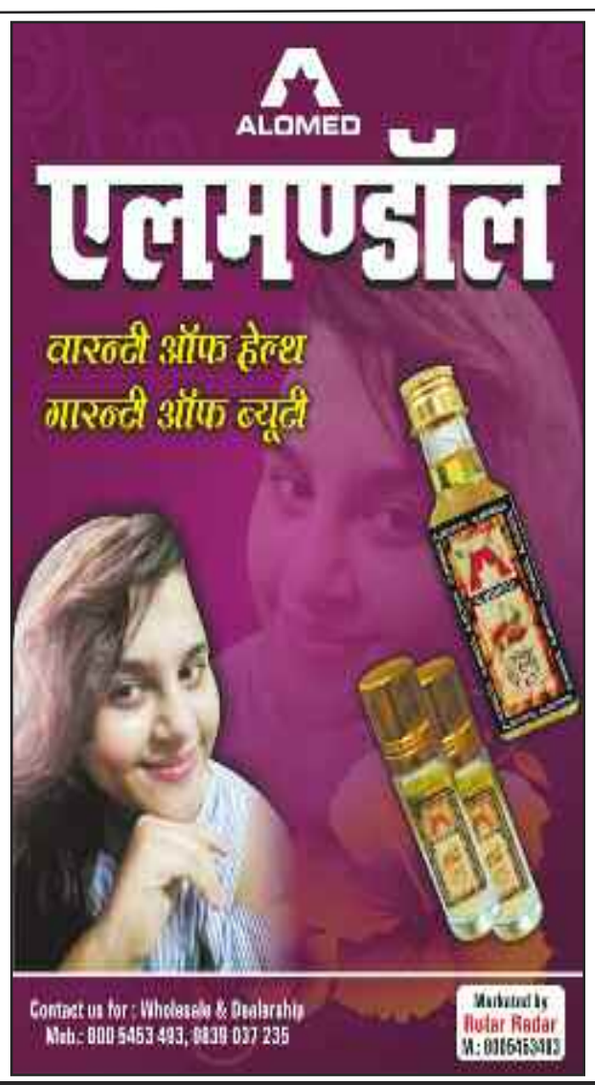

संपादकीय

संकल्पों को सिद्धि तक पहुँचाने वाले मोदी आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। वे एक अनूठा एवं विलक्षण इतिहास बना रहे हैं। वे राजनीति में शुचिता के प्रतीक, अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक, कुशल राजनेता, प्रभावी प्रशासक, विलक्षण व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके 70वें जन्म दिवस पर सुखद एवं उपलब्धि भरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही हैं, जिनमें नये भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के स्वर गूंज रहे हैं। हाल ही में हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। मोदी ने अपने छह साल के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशादिशा बदल सकती है, कैसे कोरोना जैसी महाव्याधि को परास्त करते हुए जनजीवन को सुरक्षित एवं स्वस्थ रख सकती है, कैसे महासंकट में भी अर्थव्यवस्था को ध्वस्त होने से बचा सकती है, कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पड़ोसी देशों को चेता सकती है।

नरेन्द्र मोदी के प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगावाद की कालिमा धुल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए कभी हम मोदी के मुख से स्कूलों में शौचालय की बात सुनते हैं तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए उन्हें देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते हैं तो कभी मेक इन इंडिया का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माणये और ऐसे अनेकों सपनों को आकार देकर सचमुच मोदी लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दे रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी एक कर्मयोद्धा हैं, उनके नेतृत्व में सरकार और सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक/एयर स्ट्राइक कर जबरदस्त पराक्रम का प्रदर्शन कर दिखाया है कि भारत की रक्षा शक्ति दुनिया के किसी विकसित देश से कम नहीं है। भारत पारंपरिक लड़ाई के साथसाथ मॉर्डन लड़ाई में दुनिया की पेशेवर सेनाओं में से एक है। भारतीय जवानों द्वारा पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर देना भारत की बड़ी शक्ति एवं सामर्थ्य का परिचायक है। मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे बड़ा एवं साहसिक ऐतिहासिक फैसला जम्मूकश्मीर को लेकर लिया जो जनसंघ के जमाने से उसकी प्राथमिकता रहा है। जम्मूकश्मीर में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने का कदम उठाने के साथसाथ राज्य को दो हिस्सों में बांटने का काम भी इसी कार्यकाल में हुआ। मोदी सरकार के फैसले के बाद कश्मीर में एक देश, एक विधान और एक निशान लागू हो गया है। विकास की योजनाएं, नीतियां, सिद्धान्त और संकल्प सही परिणामों के साथ सही लोगों तक पहुंच रहे हैं। जनता को बैंकिंग से जोड़ने के लिए जनधन योजना की घोषणा हो या हर घर को बिजली पहुंचाने के लिए सौभाग्य योजना या फिर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक करोड़ घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा जाना, आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवार के हर सदस्य को सरकारी या निजी अस्पताल में सालाना पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त देना ये और ऐसी अनेक योजनाएं भारत के सशक्त एवं समृद्ध होने का परिचायक हैं। भारत में नया गुड्स ऐंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) देश में कर सुधार की दिशा में सबसे बड़ा कदम था।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

स्कूल खुलने वाले हैं, आप तैयार हैं ?

सरकार ने 21 सितंबर से स्कूल खोलने का आदेश दिया है। पहले कक्षा 9 से 12 तक के सटूडेंट स्कूल जाएंगे। उसके बाद शायद क्रमानुसार लोवरग्रेड के बच्चों को स्कूल आने के लिए कहा जाएगा। अब सवाल यह है कि देश में जब रोजाना 90 हजार से अधिक कोरोना पेशेंट बढ़ रहे हैं और दुनिया में कोरोना के मामले में भारत का अमेरिका के बाद दूसरा नंबर है तो ऐसे में सरकार का स्कूल खोलने का निर्णय कितना उचित है? इस बारे में अब चर्चा शुरू हो गई है। कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, पर अब बच्चों को घर में बैठाए रहना भी कम खतरनाक नहीं है। शिक्षा गुरुशिष्य के बीच के संवाद की फलश्रुति है। यह संवाद इस समय ऑनलाइन एजूकेशन में चल रहा है। गुरूशिष्य का आमने सामने संवाद तभी हो सकता है, जब स्कूल खोले जाएं।

अगस्त के मध्य में स्कूल खोलने के बारे में लोकल सर्कल नाम की एक कंपनी द्वारा सर्वे किया गया था। इस सर्वे में पैरेंट्स से पूछा गया था कि सरकार 1 सितंबर से स्कूल खोलेगी तो क्या आप अपने बच्चे को स्कूल भेजेंगे? इस सवाल के जवाब में 62 प्रतिशत पैरेंट्स ने अपने बच्चे स्कूल भेजने से मना कर दिया था। मात्र 23 प्रतिशत पैरेंट्स ने बच्चे को स्कूल भेजने के लिए हां किया था। 15 प्रतिशत पैरेंट्स ने कहा था कि कुछ कह नहीं सकते।

देश में छह महीने से स्कूल कालेज बंद हैं। यह एक विचित्र और विकट परिस्थिति है। एक तरह से देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था ठप है। स्कूल बंद हों तो मातापिता और बच्चे सभी को फुरसत होती है। बच्चे तो हमेशा चाहते हैं कि उनकी छुट्टियां लंबी हों। परंतु इस स्थिति में पहली बार बच्चे स्कूल खुलने का इंतजार कर रहे हैं। वे भी घर में बंद रह कर ऊब गए हैं। पैरेंट्स को चिंता है कि अगर इसी तरह स्कूल बंद रहे तो बच्चों की शिक्षा का क्या होगा? क्योंकि पैरेंट्स ऑनलाइन एजूकेशन अपनी आंखों से देख रहे हैं। उन्हें पता है कि इस ऑनलाइन एजूकेशन से कोई भला होने वाला नहीं है। पैरेंट्स समझ रहे हैं कि उनके बच्चे स्कूल, स्कूल का प्लेग्राउंड, फ्रेंड्स और लंच खाना मिस कर रहे हैं। फिर भी सरकार ने जब स्कूल खोलने की घोषणा की तो एक बार तो पैरेंट्स को झटका लगा ही कि क्या बच्चे स्कूल में सुरक्षित रह सकेंगे? जिस तरह व्यापक रूप से देश में कोरोना बढ रहा है, पैरेंट्स की चिंता उचित है। जिन देशों में स्कूल खुले हैं, वहां से जो आंकड़े आ रहे हैं, वे परेशान करने वाले हैं। अमेरिका में स्कूल खोले गए हैं, वहां एक सप्ताह में 97000 बच्चे कोरोना संक्रमित हो गए। इसी तरह जर्मनी के बर्लिन में 41 स्कूल के तमाम बच्चे और टीचर्स कोरोना संकमित हो गए। इस तरह की बातें पैरेंट्स की चिंता बढ़ाएंगी ही। एक बार फिर वही सवाल उठता है कि अगर सरकार स्कूल खोलती है तो बच्चों को स्कूल भेजा जाए या नहीं? स्कूल खोलने के लिए किए गए एक सर्वे में तमाम पैरेंट्स ने कहा है कि अब नए साल यानी 1 जनवरी, 2021 से स्कूल खोलने पर सरकार को विचार करना चाहिए। तब तक सरकार को ऑनलाइन एजूकेशन को ही महत्व देना चाहिए और टीवी तथ रेडियो का उपयोग टीचिंग के लिए करना चाहिए। ऑनलाइन टीचंग की बात करना तो आसान है, पर जब तक टीचर्सस्टूडेंट का आमनासामना नहीं होता, तब तक टीचिंग का मजा नहीं आता। सही बात तो यह है कि शिक्षा संवाद का विषय है। जब तक गुरुशिष्य का संवाद नहीं होता, आंख से आंख मिला कर बात नहीं होती, तब तक शिक्षा दिमाग में उतरती नहीं। ऑनलाइन टीचिंग में यह संवाद बंद हो गया है और इसका गंभीर असर शिक्षा पर पड़ रहा है। सवाल यह है कि कब तक हम बच्चों को घर में बैठाए रहेंगे? बच्चों को जो सीखना है, वह लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन से नहीं सीख सकते हैं। जब भी शिक्षा की बात होती है, तब किताबों की शिक्षा की बात नहीं होती। स्कूल मे बच्चों को हर तरह की शिक्षा मिलती है। जिसमे सहपाठी से मेलमिलाप, खेल के मैदान में सद्भावना, शिष्टाचार, संस्कृति और समानता की बातें भी बच्चा स्कूल में सीखता है। सुधा मूर्ति ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह स्कूल में कंप्यूटर का सबजेक्ट पढाती थीं। अपने 60 मिनट के पीरियड में वह कंप्यूटर सिखाती थीं, जिसमें अंतिम 15 मिनट वह बच्चों से कहानियां सुनाती थीं। आज 10 या 20 साल बाद जब भी उनका कोई पुराना स्टूडेंट मिलता है तो वह उनकी कहानियां याद करता है। स्कूल में टीचर्स सबजेक्ट के अलावा भी अन्य बातें करता है, जो बच्चों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। हमारे ड्राइंग टीचर छोटेलाल वर्मा को पिंसिपल ने हमारे क्लास में हिंदी पढ़ाने के लिए लगा दिया। हम सभी स्टूडेंट उनके क्लास का इंतजार करते थे। इसका कारण यह था कि वह पढ़ाने के साथसाथ छोटीछोटी प्रेरक कहानियां सुना कर पढ़ाते थे। सोशल स्टडी के टीचर थे रामऔतार सिंह। हर शनिवार को अंत के दो पीरियड में स्कूल के विद्यार्थियों का ग्राउंड गैदरिंग होता था। जिसमें सर अपनी बुलंद आवाज में कोई कहानी कहते थे। उनकी कहानियां इतनी बड़ी और अच्छी होती थीं कि वह दो से तीन शनिवार तक चलती थीं। स्कूल की छुट्टी होने में शनिवार को मजा नहीं आता था। स्टूडेंटटीचर्स के बीच इस तरह का संवाद ऑनलाइन टीचिंग में संभव नहीं है। पैरेंट्स की कोरोना के लिए चिंता उचित है। परंतु अब जोखिम उठाए बिना छुटकारा नहीं है।

छह महीने तक बच्चों को घर में बैठाए रहने के बाद अगर अब उन्हें स्कूल नहीं भेजा जाता तो आने वाले सालों में इसका जो परिणाम होगा, वह कोरोना से भी विकराल होगा। पैरेंट्स को इस बात की भी चिंता सता रही है। पूरे देश में स्कूल खुल रहे हैं तो शहर में रहने वाले उन पैरेंट्स को यह भी देखना पड़ेगा। देश में ऐसे तमाम बच्चे हैं, जिन्हें स्कूल पहुंचने में दो से तीन घंटे लगते हैं। गांवों में ऐसे बच्चे भी हैं, जो नदी पार कर के स्कूल जाते हैं। ऐसे भी बच्चे हैं, जो ट्रेन या बस से जाते हैं। इनमें से कुछ को बस भी बदलनी पड़ती है। इस तरह तमाम खतरे उठा कर बच्चे अपने स्कूल पहुंचते थे। अब इन खतरों के साथ कोरोना का भी एक खतरा बढ़ गया है। पैरेंट्स को अब इस खतरे से भी लड़ने की बच्चों को हिम्मत बंधानी पड़ेगी। सुरक्षा और सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का पालन करते हुए स्कूल में रहना है और टीचर्स से सीखना है यह सब बच्चों को समझाना है। डर के आगे जीत है यह स्लोगन टीवी पर आने वाले विज्ञापनों में हमारे बच्चो ने खूब देखा है। अब पहली बार डर के आगे जीत है, यह हमारे बच्चों को प्रेक्टिकली समझना है। आप भी इसके लिए तैयार हो जाइए।

वीरेन्द्र बहादुर सिंह
नोएडा ।
www.womenexpress.in

तो तैयार है भारत चीन से वार्ता और जरूरत पड़े तो दो-दो हाथ करने को भी

लोकसभा में विगत 15 सितंबर को भारत चीन के बीच चल रहे मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा और 56 साल पहले 14 अप्रैल, 1962 को भारतचीन युद्ध के बाद हुई बहस में जमीनआसमान का अंतर है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव पर चीन को साफ शब्दों में सन्देश दे दिया कि भारत भी पूरी तरह से तैयार है। अगर ड्रैगन सीमा पर कोई हरकत करेगा तो हमारे जवान उसे माकूल जवाब भी देंगे। सेना के लिए विशेष अस्त्रशस्त्र और गोला बारूद की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। उम्मीद है कि नए भारत का यह अंदाज चीन को समझ में आ जाना चाहिए । चीन को हमेशा यही लगा रहता है कि वह जब चाहे और जहाँ चाहे भारत को दबा लेगा। उसे गलतफहमी इसलिए हुई है क्योंकि 1962 में जंग में हारने के बाद भी भारत ने उससे अपनी छीनी हुई जमीन मांगने तक की हिम्मत भी नहीं दिखाई। परिणाम यह हुआ कि चीन सिर पर चढता ही चला गया। लद्दाख में भारत आज अवश्य ही एक चुनौती दौर से गुजर रहा है, यह सच है। पर मौजूदा स्थिति पहले से बिलकुल ही अलग है। भारत सभी परिस्थितियों से निपटने के लिए आज के दिन सक्षम है। जब भी देश के समक्ष कोई चुनौती आई है भारतीय संसद ने सेना के प्रति पूरी प्रतिबद्धता दिखाई है। अब तो यह जगजाहिर हो ही चुका है कि चीन ने एलएसी पर यथास्थिति बदलने की पुरजोर कोशिश की। लेकिन बहादुर भारतीय जवानों ने ड्रैगन की हरकतों को सफल नहीं होने दिया और उन्हें उसे करारा जवाब दिया।

दोनों देशों के बीच लद्दाख की सीमा पर जो कुछ भी गुजरे महीनों में हुआ उसके लिए चीन को माफ तो नहीं ही किया जा सकता है और न ही किया ही जाना चाहिए। वैसे, अब चीन की भी आंखें खुल गई हैं। भारत ने भी दोनों देशों के बीच की सरहद पर अपने लड़ाकू विमानों से लेकर दूसरे तमाम प्रलयंकारी अस्त्र भी तैनात कर दिए हैं। अब चीन की किसी भी हरकत का कायदे से जवाब देने के लिए भारत की थल जल और वायुसेना पूरी तरह तैयार है। भारत को अपने कदम भी सोचविचार करके ही बढ़ाने होंगे। सरकार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को तो गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। क्योंकि, यह लगता तो यही है कि वे पूरी तरह चीन के साथ खडे हैं। इस संकटकाल में राहुल गांधी देश से बाहर चले गए हैं। यही विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कह रहा था कि भारतीय सैनिकों के लदाख में शहीद होने के बाद उन्होंने जो बयान दिया उसमें चीन का उल्लेख ही नहीं किया। लेकिन, मोदी ने सर्वदलीय बैठक में तो चीन पर बारबार निशाना साधा। उस बैठक में कांग्रेस के तमाम नेता मौजूद थे ढ्ढ क्या अब भी कोई कहेगा कि देश चीन के आगे नतमस्तक हो रहा है?

अब जरा 56 साल पहले चले चलते है। चीन से पराजय के बाद 14 नवंबर,1963 को

संसद में युद्ध के बाद की स्थिति पर चर्चा हुई थी । तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी बात रक्षात्मक रूप से रखते हुए कहा अपने को विस्तारवादी शक्तियों से लड़ने का दावा करने वाला चीन खुद विस्तारवादी ताकतों के नक्शे कदम पर चलने लगा।÷ उन्होंने बताया था कि चीन ने किस तरह से भारत की पीठ पर छुरा घोंपा। वे बोलते ही जा रहे थे। तब एच.वी.कामथ ने कहा,' आप बोलते रहिए।' अब नेहरूजी विस्तार से बताने लगे कि चीन ने भारत पर हमला करने से पहले कितनी तैयारी की हुई थी। इसी बीच, करनाल से सांसद स्वामी रामेश्वरानंद ने तेज आवाज में कहा, 'मैं तो यह जानने में उत्सुक हूं कि जब चीन तैयारी कर रहा था, तब आप क्या कर रहे थे?' अब नेहरू जी आपा खो बैठे और कहने लगे, मुझे लगता है कि स्वामी जी को कुछ समझ नहीं आ रहा। प्रधानमंत्री नेहरु के मन में चीन से लड़ने की कहीं कोई मंशा नहीं थी।

कौन नहीं जानता कि नेहरू की पिलपिली चीन नीति का ही यह परिणाम रहा कि देश को अपने पड़ोसी से 1962 में युद्ध लड़ने की नौबत आ गई । चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई को गले लगाने और ÷हिंदी चीनी भाईभाई÷ के नेहरू के उदारवादी नारों को घूर्त चीन ने भारत की कमजोरी समझ ली। उस युद्ध के 56 सालों के बाद आज भी चीन ने हमारे महत्वपूर्ण अक्साईचीन पर अपना कब्ज़ा जमा रखा है। चीन की तरफ से कब्जाये हुए भारतीय इलाके का क्षेत्रफल कोई छोटा नहीं पूरा 37,244 वर्ग किलोमीटर है। जितना क्षेत्रफल पूरी कश्मीर घाटी का है, उतना ही बड़ा है अक्सईचिन। शर्म की बात है कि नेहरु, इंदिरा और राजीव गाँधी सरकार समेत किसी भी कांग्रेसी सरकारों ने कभी चीन से कब्जाई हुई अपनी जमीन को वापस मांगने की परवाह तक नहीं की नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान चीन से सम्मान और अपनी भूमि खोने वाले और मोदी जी के नेतृत्व वाले भारत में बहुत अंतर है। आज के भारत ने चीन को उसकी औकात समझा दी है। पहले डोकलम और फिर लदाख पर भारत चीन के आगे तनिक भी झुका नहीं। इस बार उसे भारत सरकार द्वारा यह अच्छी तरह समझा दिया गया है कि भारत अब उसे घर तक नहीं छोड़ेगा।

राजनाथ और विदेश सचिव एस.जयशंकर स्वयं चीन से बात कर रहे है। दोनों ने चीन को स्पष्ट रूप से यह बता दिया है कि भारत सीमाई इलाकों में मुद्दों का हल शांतिपूर्ण तरीके से किए जाने के प्रति प्रतिबद्ध है। लेकिन, भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए भी तो पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। अगर चीन पूरी तरह से समझौते को माने तो विवादित इलाके से सेना को हटाया जा सकता है। इससे कम पर फिलहाल भारत कुछ भी मानने को तैयार नहीं है। अभी की स्थिति के अनुसार तो चीन ने एलआईसी के अंदरूनी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सैनिक और गोला बारूद जमा कर रखे हैं। चीन की कार्रवाई के जवाब में हमारी सेना ने भी पूरी सुरक्षात्मक जवाबी तैनाती कर रखी है। देश को आश्वस्त रहना चाहिए कि हमारी सेना किसी भी आक्रामक चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करेगी।

बेशक, भारत की यह दिली चाहत है कि चीन से मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों को खत्म करके रिश्तों की एक नई इबारत लिखी जाए। कोविड19 के इस भयावह दौर में दोनों देश सारी दुनिया को अपने स्तर पर मदद पहुंचाएं, क्योंकि इनमें यह क्षमता है। पर दूसरी तरफ भारत यह भी मन बना चुका है कि इस बार चीन से जंग छिड़ी तो भारतीय फौजें बीजिंग में डेरा डाल देंगी।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, राज्य सभा
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

गणपति जी की मुर्ति का अपमान

बहुत ही असहनीय पीड़ा दे जाता है हर बार और और मैं असमर्थता का सहारा लिए चुपसी, ठगीसी दूर खडी तमाशा देखती रह जाती हूँ ।

आजकल गणेश महोत्सव उत्साह, उमंग और पूरे जोरशोर से मनाया जा रहा है। गणपति पूजा अर्चना, उनको बडे चाव से मेहमान की तरह घर लेकर आना । उनका खूब श्रृंगार करना , भोग चढ़ाना मेवे का प्रसाद , फलफूल । अपने बच्चे की तरह से , एक घर के सदस्य की तरह उनका लाडचाव करना सुंदर है , बहुत ही सुंदर है । श्रद्धा है बहुत ही खूबसूरत है । परमात्मा का स्वागत सत्कार होना ही चाहिए । सभी कुछ उन्ही का है उन्ही को अर्पित है । प्रथा सम्माननीय है , सराहनीय है ।

पर दिल बहुत दुखता है ये देखकर कि जिनको हम इतने प्यार से उमंग से लाए , श्रृंगार किया, भोग चढ़ाए , पूजा जिनको । जिनकी आरती उतारी । इतने दिन जो हमारे घर आए , उत्सव का माहौल रहा हर दिन उनके आगमन से । विसर्जन के दौरान भी नाचे गाए झूमे । आनंद बरसा रंग गुलाल उडाए । अंत में उनका इतना अपमान.....??

ऐसे ही किसी भी किनारे पर नदी के....छोड़ आए .....?? मुडकर देखना तक जरूरी नही समझा.....??

मुडकर देखना तो था कि वो मूर्ति पानी में घुली की नही । वो किनारे पर पडी रह गई । आजकल बहुत देखने सुनने में आता है कि किस तरह वो मूर्तियाँ कुडेवाले उठाकर फैंकते हैं या तो वहीं पडी रहती है । कहने में भी बेहद शर्मिंदगी और अफसोस है , कि अंत में वो एक कुडे कचरे से ज्यादा कुछ नही। बहुत दुखता है भगवान का इतना अपमान ।

जब हम किसी के साथ रहते हैं, या कोई हमारे साथ हमारे घर हमें उससे एक लगाव हो जाता है । उसके लिए अहसास होता है दिल में इंसान तो क्या जानवर से भी । जब हम उनको विदा देते हैं तो एकबार को फिक्र होती है । दुनिया से भी जब वो विदा लेते हैं, तब भी हम किसी को यूँ अधूरा छोड़ कर नही लौट आते । और हम तो भगवान को पालनहार को ही ले आए पूजा सब किया । और अंत में ...।

उत्तर है इस बात का भी कि कहा जा सकता है कि वो तो भगवान है , हम उनकी क्या फिक्र लें वही हमारी लेते हैं । और वैसे भी वो तो एक मूर्ति ही थी । पक्की बात है सही बात है। मानने वाली बात है , पर सवाल ये उठता है कि फिर क्यों पूजा.... ?? क्यूँ मुर्ति को भाव दिया भगवान होने का.... ???

मतलब हमारा दिल आया तो भगवान बनाया पूजा ।

रस्म निभाए । और जब रस्म निबट गई , खत्म हुई फैंक आए कचरे कुडे की तरह से .....???

मेरा आप सभी से जो भी ऐसा कर रहे हैं निवेदन है प्रार्थना है ऐसा ना करें उसको अपमानित न करें ।

अगर उसको सम्मान से विदा नही दे सकते, ना लाएं । मेरा ऐसा आग्रह किसी पाप के डर से नही है , क्योंकि वो तो इतना मासूम है भोला है कर देगा माफ, नही लगाएगा पाप । बस अपमानित न करें। उसको प्यार करें उसका सम्मान करें ।

विसर्जन का अर्थ स्पष्ट ही है । मेरा अनुरोध सिर्फ उन्ही से है जो जाने अनजाने ऐसा कर रहे हैं या उनसे हो रहा है । हम सभी संकल्प लें, ध्यान रखें ऐसा अगली बार हम नही करेंगे । विसर्जन अधूरा नही पूरा करेंगे । अपने गणपति जी को जितने प्यार से लाएंगे उतने ही प्यार और आदर से विदा देंगे ।

इसका उपाय है

हम मुर्ति बनाने वाले भईया से बोलकर ऐसी मुर्ति ही बनवाएं या लें जो बहुत ही आसानी से पानी में घुल जाए । कृप्या करके सभी ध्यान रखें या अपने जानकारों तक ये बात पहुँचाए ।उनको इस बात के प्रति अवेयर करें। हम सभी जिम्मेदारी लें । संकल्प लें कि अबसे गणपति जी का ऐसा अपमान नही होगा।

मुर्तिकारों से भी मेरा विनम्र निवेदन है कि गणेश पर्व के लिए आसानी से घुलने वाली मुर्ति ही बनाएं । विसर्जन के लिए आसानी से घुलने वाला सामान रंग इत्यादी प्रयोग करें । आपके ऐसा करने से सहयोग से भगवान का अपमान होने से हम रोक पाएंगे ।

इस पोस्ट के माध्यम से किसी के भी अपमान की मंशा नही मेरी बस एक जागृति आए कि हम क्या कर रहें हैं.....। क्या हमें ऐसा करना चाहिए ?

इसके प्रति जागरूक, एकजुट होकर इसका उत्तरदायित्व लेना होगा।

प्रीति बिंदल
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

हम रिमोट के कंट्रोल में हैं,या रिमोट हमारे

दबता है,गिरता है,
बेजान सब सहता है,
पलंग के,
कभी नीचे चला जाता है,
ना जाने कितनी बार,
मुलायम गद्दों के बीच में से,
दराँचों से भी सरक जाता है,
सैंकड़ों बार वह छलनी सरीखे,
हाथों से जूझता,
दुर्दशा होने पर भी,
ठोक ठोक कर,
उसके जर्जर होने तक,
उसके प्राणांत पर,
शोक इस बात का कि !
कमर को और पैरों को कष्ट हुआ,
गिरनापड़ना टूटना,
जानबेजान,सबको है
ये तो कद्र पर है,
और हाँ इस बात पर भी कि
हम रिमोट के कंट्रोल में हैं,
या रिमोट हमारे ।

भावना 'मिलन' अरोड़ा
शिक्षिका एवं लेखिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

बहु भी मुस्कुराना चाहती है

बहु भी किसी की बेटी है,
फिर क्यों इतना कष्ट पाती है।
छोड़कर आई है बहु,अपने पूरे घर को,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
अपने माँ बाप की प्यारी बेटी,
बहु बनकर ससुराल आती है।
बहु को दें बेटी का दर्जा,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
बेटी,बहु और कभी माँ बनकर
अपने सब फर्ज़ निभाती है।
सबके सुखदुख को सहकर,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
बहु के बारे में क्या कहूँ,
पूरे घर आंगन में खुशियां लाती है।
साससुर की सेवा करके,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
सबका रखे ध्यान और ख्याल,
अंत में खाना खाती है।।
ससुराल में बेटी बनकर,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
दहेज प्रताड़ना दे देकर,
बहुएं जिंदा जलाई जाती है।
समर्पण की भावना अपनाकर,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।
माँ लक्ष्मी, दुर्गा रूप में,
देवी रूपी बहु सबके मन को
भाती है।
ज़रा बेटी उसे कह कर पुकारो,
बहु भी मुस्कुराना चाहती है।।

गोपाल कृष्ण पटेल
जांजगीर, छत्तीसगढ़ ।

ड्रग्स कनेक्शन को लेकर विवादों में मनोरंजन का बड़ा बाजार

पहले पर्दे की छोटी सी दुनिया और मनोरंजन का बड़ा बाजार इन दिनों ड्रग्स कनेक्शन को लेकर विवादों में है। ज्यादा से ज्यादा टीआरपी पाने के लिए टीवी जहां इस मुद्दे पर जमकर शोर मचा रहा है। वहीं हड़बड़ाहट की पत्रकारिता (वेब जर्नलिज्म) सनसनी हेड लाइन और फोटो के साथ हिट बंटोरने में जुटा हुआ है। प्रिंट मीडिया भी इससे अछूता नहीं है, प्रतिदिन की कवरेज के साथ पाठक के सामने नया एंगल प्रस्तुत कर रहा है।

जिसकी सत्यता की पुष्टी होना अभी बाकी है। सपनों की दुनिया से उठा यह तूफान सियासी की पगडंडी से होता हुआ संसद तक पहुंच गया है। अभिनेता से नेता बने दो सिने स्टार लोकतंत्र के मंदिर में इस मसले पर अपना विचार रख चुके हैं। जिसको लेकर फिल्म जगत से अलगअलग तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। दो खेमों में बंट चुके बॉलीवुड में आरोपप्रत्यारोप एवं आलोचनाप्रत्यालोचना का दौर शुरू हो चुका है। इससे सबसे बड़ी हानि यह हो रही है कि इतने गम्भीर मुद्दे पर जब देश में सामूहिक चर्चा होनी चाहिए, तब हम मुख्य मुद्दे से भटकते जा रहे हैं।

अगर यह कहा जाए कि सिर्फ सिने स्टार्स ही ड्रग्स का सेवन करते हैं, तो यह बेमानी होगी। रेल की पटरियों के किनारे, फुटपाथ और ऐसी कई जगह हैं, जहां आप मासूम बचपन को अपनी नसों में नशा घोलते देख सकते हैं। यह समस्या समूचे देश की है। इसकी जद में धीरे धीरे देश का एक बड़ा युवा वर्ग आता जा रहा है। इसका स्वरूप कितना भयावह हो चुका है इसको हम पिछले वर्ष सामने आई केंद्र सरकार और एम्स की एक रिपोर्ट के माध्यम से समझ सकते हैं। जिसमें बताया गया कि सांस के जरिए ड्रग्स का चलन वयस्कों के मुकाबले बच्चों में ज्यादा बढ़ा है। सांस के माध्यम से ली जाने वाली साइकोएक्टिव ड्रग्स दिमाग पर असर करती है। देश में इस तरह का नशा करने वाले वयस्कों की संख्या 0.58 फीसदी, तो 1.17 फीसदी बच्चों की है।

रिपोर्ट में यह भी बात सामने आई है कि करीब 18 लाख वयस्क और 4.6 लाख बच्चे खतरनाक श्रेणी का नशा करते हैं। नशे की लत के शिकार सबसे ज्यादा बच्चे उत्तर प्रदेश (94,000), मध्य प्रदेश (50,000), दिल्ली (38,000) और हरियाणा (35,000) में हैं। इसमें यह भी बताया गया कि देश में किसी न किसी नशे की लत के शिकार सबसे प्रभावित लोग 127 जनपदों हैं। आप सबको ध्यान होगा सोशल मीडिया में दो साल पहले एक बच्चे का वीडिया वायरल हुआ था, जो पंक्चर बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले सोल्यूशन का नशा करता था। जिसमें वह कहता है सूंघ कर देखो मजा आएगा। 1012 साल के बच्चे के उस वीडियो को सोशल मीडिया में जमकर शेयर किया गया था, लेकिन हमारे आसपास मौजूद इतनी बड़ी समस्या चर्चा का विषय नहीं बन पाई।

आज जब बॉलीवुड में ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर देश भर में चर्चा हो रही है और लोग इस बात को लेकर जिज्ञासु हो रहे हैं कि कौनकौन से स्टार्स ड्रग्स लेते हैं, तब हमें अपनी निगाहों को मुंबई से हटाकर अपने आसपास देखने की आवश्यकता है। क्योंकि हमारे बच्चों के जीवन को बर्बाद कर देने वाला यह नशा अब पब, हुक्का बार से निकलकर स्कूल और हॉस्टल्स तक पहुंच चुका है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो भविष्य की तैयारियों का शहर कोटा भी इससे अछूता नहीं रह गया है।

जहां पर फोन और व्हाट्सऐप के जरिए छोटेछोटे बच्चों तक स्मैक, चरस, अफीम और गांजा पहुंच रहा है। इस शहर का प्रतिदिन का ड्रग्स कारोबार 40 से 50 लाख रुपये का है। ड्रग्स सौदागार छात्रों को होम डिलेवरी भी कर रहे हैं। इसका परिणाम है कि जिस उम्र में छात्रों को बेफिक्र होना चाहिए उस उम्र में वह हर फिक्र को धुएं में उड़ा रहे हैं।

ऐसे वक्त में सबसे बड़ी जिम्मेदारी मातापिता की बनती है, क्योंकि किसी बच्चे की पहली पाठशाल उसका घर और पहले गुरू मातापिता होते हैं, इसलिए बच्चों को ड्रग्स की चपेट में आने से बचाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका वही निभा सकते हैं।

यह सच है कि जिंदगी की आपाधापी में मातापिता के लिए कई बार बच्चों से संवाद कर पाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन इस सबके बावजूद उन्हें अपने बच्चों के लिए समय निकालकर उनसे दोस्तों की तरह बात करने और उनकी मन की बात को जानने और समझने की आवश्यकता है। सही मायने में कहा जाए तो अपने घर में डिनर टेबल पर चीखतेचिल्लाते और सारी मर्यादाओं को तारतार करते बॉलीवुड का ड्रग्स कनेक्शन जैसे टीवी डिबेट्स को देखने की जगह इस मुद्दे पर अपने बच्चों से, छुट्टी के दिन अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों से गंभीर चर्चा करने की जरूरत है।

शांतनु त्रिपाठी,
स्वतंत्र पत्रकार ।
www.womenexpress.in

नारी की मर्यादा का श्रृंगार

नारी की मर्यादा का, श्रृंगार
उतरते देखा है
भरी सभा में गुरुनारी को,
मुंडित होते देखा है।
नारी का अपमान हुआ था,
मामा जी छाती पर
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

जब जब दरबारो ने देखो,
गुरुओं का अपमान किया
तब अपमानित केशों ने ही,
चन्द्रगुप्त को जन्म दिया ।
मैंने उसी मगधराज का,
तख्तोताज बदलते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

जब द्रौपदी के केशों का,
अपमान हुआ था द्वापुर मे
कुरुक्षेत्र का भीषण रण, संहार
हुआ था द्वापुर मे।
तब दुर्योधन दूशाषन, कौरव
दल मरते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

अपमानित तन की ज्वाला, तन
मन विदीर्ण कर जाती हैं
गुरु अपमानित हो तो, धरती
की छाती फट जाती हैं।
तब तब ग्रह नक्षत्रों को भी,
मार्ग बदलते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा हैं।।

ये सृष्टी के निर्माता हैं, प्रलय
कारी मेघ यही
ये ही ब्रह्मा बिष्णु स्वरूपा,
संहारक शिव शेष यही।
इनकी गोदी मे मैंने, निर्माण
प्रलय को देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

जब गुरु का अपमान करोगे,
खुद का होगा मान कहां
जब होगा अपमान गुरु का, तेरा
होगा मान कहां।
मैंने गुरु सम्मान में हर, अर्जुन
को लडते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा हैं।।

गुरु के अपमानों की पीड़ा,
शिष्य नहीं सह सकता है
ज़हर गुरु के अपमानों का, वो
कैसे पी सकता है।
मैंने वीर शिवाजी को भी, सिंहों
से लडते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

तुमको जब सब देना था, फिर
बात यहां तक क्यों पहुंची
सकुनी कंश और माहिल की,
चाल यहां तक क्यों पहुंची।
सकुनी कंश और माहिल को,
रण मे मरते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

मेरी एक सलाह है तुमको,
अगर भलाई चाहों तो
जो भी मांग रखीं गुरुओं ने, मान
सहित पहुचाओ तो।गुरु हृदय को
इतिहासों ने, सदा पिघलते देखा है
मैंने हर दिल की ज्वाला से,
ज़हर निकलते देखा है।।

दिनेश सिंह सेंगर
मुरैना, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

अमीर और गरीब

देखती हूं इस दुनिया को
तो लगता है बड़ा अजीब सा..,
सोचती हूँ अजीब दास्तां है,
इस दुनिया की?
जहां एक तरफ अमीरों के पैरों
की शान बाटा..
तो वहीं दूसरी तरफ गरीबों के
पैरों में है कांटा।
अमीर चलता है कार से..
एक गरीब मीलों का सफर,
पैदल ही तय करता हुआ
आता है नज़र।
अमीर झाड़ता है रौब अपनी
शान औ शौकत पर..
क्योंकि हो जाते हैं काम सिर्फ़
उसके नाम पर।
एक गरीब घिस जातें हैं उसके
पाँव मजदूर करते करते..
और कभी तो थम जाती है
उसकी साँसे सिर्फ न्याय की एक
किरण के इंतजार में..।
बस इस दम पर अमीर जिंदा
रहता है।
अमीर की भूख सिर्फ पैसे की है।
गरीब की भूख दो वक़्त की
रोटी की है।
अमीर की भूख पैसा देखकर
जाती है और बढ़..
और गरीब दो रोटी देखकर
चेहरे पर मुस्कान सजा लेता है।
अमीर बड़े मकान में रहता,
फिर भी वह बेचैन सा अशांत
महसूस करता है..
गरीब एक झोपडी में रहते हुए
दो वक़्त की रोटी में अपने परिवार
की खुशियाँ ढूँढ़ लेता है।
अमीर लाखों कमा लेता,
लेकिन कभी गरीब की सहायता
नहीं करता।
गरीब चंद रुपए से पूरी जिंदगी
बिता लेता है।
रुपए ना हो फिर भी ,
अमीरों की हरदम सहायता
करने के लिए तत्पर रहते हैं।
गरीब जब मुस्कुराता है तो
अमीर कांप जाते है उनकी
मुस्कान देखकर..
गरीब कभी थकता नहीं।
अमीर चंद मिनटों में हांफने
लगता।
गरीब हमेशा दुःख में साथ देते।
अमीर हमेशा सुख में।
कहते है दुःख में जो साथ दे,
उनको देते सबसे ऊंचा दर्जा।
ग़रीबी हमेशा अपने और पराए,
का पहचान कराती है।
अमीर लाखो कमा कर,
अपना ईमान ऊंचा तो कर लेता।
गरीब मजदूर करके अपना नाम
कमाता।
मनुष्य कभी पैसों से बड़ा नहीं होता।
मनुष्य के स्वभाव से बड़ा होता है।
एक दिन सबको मिट्टी में मिल
जाना है।
अमीर हो या गरीब सबकी यही
पहचान है।

गीता चौहान
जशपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

हिंदी राष्ट्र धरोहर है

सतत प्रवाहित गंगाजल सी
,निर्मल धार मनोहर है।
हिंदी भारत का गौरव है , यह
भाषा राष्ट्र धरोहर है।

यह नहीं मात्र एक भाषा
है,हिंदुत्व की यह है परिभाषा
अभिमान है सारे भारत का,हर
जन की यह है अभिलाषा
शुचिता, पुनीता हिंदी भाषा,फिर
से निज गौरव को पाए
पुष्पित पल्लवित हो जाए ये,बन
जाए जन जन की आशा

साहित्य के सुरभित उपवन
का,हिंदी भाषा गुलमोहर है
हिंदी भारत का गौरव है, यह
भाषा राष्ट्र धरोहर है....
एक सूत्र में बांधे रखती,अखंड
राष्ट्र का परिचय देती
उद्वेलित कर अन्तर्मन को,भावों
को अभिव्यक्ति देती
सुसरिता सी निर्मल
पावन,सबको संस्कारित करती ये
देश प्रेम का भाव जगाकर,
श्वासों में भर शक्ति देती

अंतस को आलोकित
करती,हिंदी दैदीप्य तमोहर है
हिंदी भारत का गौरव है, यह
भाषा राष्ट्र धरोहर है.....

भारत भू के शुभ्र भाल पर,जैसे
शोभित होती बिंदी
वैसे ही साहित्य अलंकृत
,करती गौरवशाली हिंदी
प्रज्ञा के नव सुमन खिलाये,उर
में ज्ञान का दीप जलाये
विश्वपटल पर सकल राष्ट्र
को,एक पहचान दिलाती हिंदी

साहित्य का गहरा सागर
ये,शब्दों का पुनित सरोवर है
हिंदी भारत का गौरव है,यह
भाषा राष्ट्र धरोहर है.....

सरल ,सुगम ,सुंदर ये भाषा,
संस्कारों की बनती खान
शत शत वंदन इस हिंदी को,ये
है सकल राष्ट्र के प्राण
हिंदी से ही मान हमारा,इसी से
भारत का उत्थान
हिंदी भाषा को अपनाएं,यही तो
है अपनी पहचान

सब भाषाओं में ओजस्वी,यह
भाषा अद्भुत नोहर है
हिंदी भारत का गौरव है, यह
भाषा राष्ट्र धरोहर है।

सतत प्रवाहित गंगाजल सी,
निर्मल धार मनोहर है।
हिंदी भारत का गौरव है, हिंदी
ही राष्ट्र धरोहर है।
जय हिंद .... जय जय हिंदी।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

फ्री हुआ लोकतंत्र

लोकतंत्र है लोगों का, बचपन
ने सुना जवानी ने सुना,
वक्त बीता तो , ये शासन कुछ
के तकदीरों में मिले।

स्कूलों के पगडंडियों पर दिखते
थे जो चेहरे बोर्डों पर,
आज वही चेहरे लिपटे हुए
नकाब के रंगीनी में मिले।

फैक्टरी लगेगी, सस्ता समान
मिलेगा, बिजली तो फ्री ही हुआ,
गरीबों अब खुश हो जाओ,
तुम फ्री का हो कर जिंदगी बसर
कर जाओ,
आया चुनाव तो सब फ्री ही हुआ,
गरीबी भी फ्री,बेरोजगारी भी फ्री,
साहित्य भी फ्री, समाचार भी फ्री।
फ्री का खेल अभी रुका कहाँ था,
मतदान लूटने का राज अभी
खुला कहाँ था,
फ्री से लगा जिंदगी आसान
हुई अब,
सरकारें तो लोकतंत्र पर
मेहरबान हुई सब,

रुको, समझो, वक्त सम्भल
जाने का है,
ये फ्री का अर्थशास्त्र समझ
जाने का है।
वृक्ष देता न फल बिना पानी,
फिर ये पृथ्वी पे पैदा हुए कौन
है दानी।

कहीं सांसो की कीमत न लगने लगे,
हाथों से रेत न फिसलने लगे,
उठो जागो विवेकानंद ने कहा था,
ऐ लोकतन्त्र क्यूँ ,बैठे हो ठगा सा।

नितु सिंह
नावानगर, बक्सर ।
www.womenexpress.in

पाये तेरी गोद में, मैंने चारों धाम !!

तेरे आँचल में छुपा, कैसा ये
अहसास !
सोता हूँ माँ चैन से, जब होती
हो पास !!

माँ ममता की खान है, धरती
पर भगवान !
माँ की महिमा मानिए, सबसे
श्रेष्ठमहान !!

माँ कविता के बोलसी,कहानी
की जुबान !
दोहो के रस में घुली, लगे छंद
की जान !!
माँ वीणा की तार है, माँ है फूल बहार !
माँ ही लय, माँ ताल है,जीवन
की झंकार !!

माँ ही गीता, वेद है, माँ ही
सच्ची प्रीत !
बिन माँ के झूठी लगे, जग की
सारी रीत !!

माँ हरियाली दूब है, शीतल गंग
अनूप !
मुझमे तुझमे बस रहा, माँ का
ही तो रूप !!

माँ तेरे इस प्यार को, दूँ क्या
कैसा नाम !
पाये तेरी गोद में, मैंने चारों धाम !!

प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
www.womenexpress.in

भविष्य कैसा होगा

है वर्तमान ऐसा तो ,
भविष्य कैसा होगा।
हर घर में हो रहा झगड़ा,
बेटा बना बाप से तगड़ा।
राजा सोये चोर जागे,
पुलिस पीछे अपराधी भागे।।
जब पहरेदार ही सोएगा ,
तो भविष्य कैसा होगा।।

अबला भई अब तो सबला ,
लगे विमल अब विमला ।
पैंट कमीज में नारी आये,
नर ने भी अब बाल बढ़ाये।
शीतलता गर चंदा खोएगा ,
तो भविष्य कैसा होगा ।।

रोये भूख रोये लाचारी ,
भ्रष्टाचार की बढी बिमारी ।
राजा पाँचवी वीं पास है,
अफसर भी उदास है।
राज जब अंधेर नगरी का होगा ,
तो भविष्य कैसा होगा ।।

नारी मुक्ति की बात न करिए ,
आदर्शों को ताक पे रखिए ।
अब न ब्रह्मा अब न विष्णु,
गुरू गरिमा खा गये विषाणु।
चेला जब खुद गुरू हो जाएगा ,
तो भविष्य कैसा होगा ।।

सुमति श्रीवास्तव
जौनपुर ।
www.womenexpress.in

तेरी फुरकत में रो पड़े हम भी

तेरी फुरक़त में रो पड़े हम भी।
दर्दे उल्फ़त में रो पड़े हम भी।।

कल वो बिछड़ा तो खूब रोया था,
आज कुर्बत में रो पड़े हम भी।।

बाद मुद्दत के बात की उसने।
बाद मुद्दत के रो पड़े हम भी।।
उसको ये ऐतबार हो कैसे।
जिसकी चाहत में रो पड़े हम भी।
उसकी आँखों में हँसी देखी है।
जिसकी हसरत में रो पड़े हम भी।

लाख सदके हों तेरी जन्नत के।
तेरी जन्नत में रो पड़े हम भी।।

ज़िन्दगी को यक़ीन हो जाये।
उसकी गफ़लत में रो पड़े हम भी।

आज सोचा कि अब नहीं मिलना।
आज नफ़रत में रो पड़े हम भी।

माँ को बेटे से दूर कर बैठी,
ऐसी गुरबत में रो पड़े हम भी।।

सोनी सुगन्धा
जमसेदपुर ।
www.womenexpress.in

कहाँ गुम हो गया सब ?

कहाँ गया वो सावन में,
बारिश का चूमना,
कहाँ गया वो तीज में,
झूलों पर झूलना,
कहाँ गयी वो मेंहदी की महक।

आखिर कहाँ गयी वो,
मिट्टी की सोंधीसोंधी खुशबू,
ज़मीन पे लेटते ही,
मिलती थी जो हमको ज़न्नत।

कहाँ गया वो आंगन के बाहर,
बच्चों का खुशी से झूमना,
बड़ों से नज़र बचाकर,
घर से बाहर घूमना।
सुबह सुबह,
वो दादी से लिपटना,
और वो माँ को चूमना,
पिता की अंगुली पकड़,
वो इधरउधर घूमना।

कहाँ गए वो बच्चे,
जो माँ से लिपट जाते थे,
छोटे ही नहीं, बड़े भी उसके,
आँचल में सिमट जाते थे।

कहाँ गए वो दिन,
वो पहली रोटी का चूल्हे से
उतरते ही,
वो बच्चों का उसके लिए
झगड़ना और
वो माँ का डाँटना।

जाने कहाँ गया वो,
बारिश के दिनों में,
मेंढकों का टर्र टर्र,
और झींगुरों का झीं झीं करना।

डॉ0 दीपा
सहायक प्राध्यापिका
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

वादा करो ना

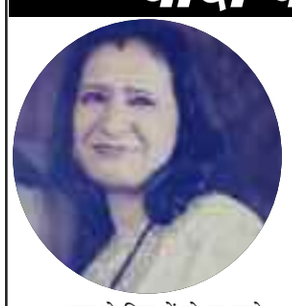

आए हो दिल में तो ना जाने
का वादा करो ना
कभी तो मिलने मिलाने का भी
वादा करो ना ।

हम तड़प रहे हैं लब ए मय
नोश के लिए
फिर से लबों की यारी निभाने
का वादा करो ना ।

बजते हो धड़कन में मीठी
धुन हो जैसे कोई
सांस सांस में गुनगुनाते रहने
का वादा करो ना ।

खाते रहते हो हर पल हमारी
कसमें यूं ही तुम
झूठी कसमें फिर से ना खाने
का वादा करो ना ।

दिल की धड़कन बन कर
बस चुके हो दिल में
दिल से निकल कर ना जाने
का वादा करो ना ।

पी चुके मयखाने की मदिरा
बहुत हम सनम
अब तो अधरामृत पिलाने
का वादा करो ना

सो जाते हैं हम तुमसे मिलने
की आस लिए हुए
कभी तो सपनों में भी आने का
वादा करो ना ।

समझ लेना कि मतवाली
सावन की रूत आई है
फिर से बांहों का झूला झूलाने
का वादा करो ना ।

किया था वादा चांद सा मुखड़ा
दिखाने का आपने
एक बार सप्रेम ससे वादा
निभाने का वादा करो ना ।

प्रेम बजाज,
जगाधरी (यमुनानगर) ।
www.womenexpress.in

ईश्वर- अल्लाह एक समान

ईश्वर एक पर नाम अनेक
चाहे कहो अल्लाह
या कहो खुदाया चाहे कहो ईश्वर
या कहो परमात्मा है सभी एक
बस रूप इनके अनेक....

अल्लाह एक तो भेद क्यों
है हम सब उन्हीं के बंदे
तू इतना मतभेद क्यों
नूर से उनकी
चमकती है दुनिया
पर फिर भी लोगों के मन में
यह रेत क्यों?....

जब रक्त एक
रंग एक रचना एक
तो हम सब कैसे अनेक?
मत फैलाओ अराजकता
धर्म के नाम पर रक्त बहाना
सारे नूर उन्हीं के वरदान
मारोगे पीटोगे अगर तुम तो
दुखी होंगे वे भगवान।
क्योंकि इस जहां की हर वस्तु पर
बस हक है उस अल्लाह का
हमारा नहीं तुम्हारा नहीं कुछ
फ़रमान है उस अल्लाह का...

दिया है उसने यह जीवन तुम्हें
अच्छे कर्म कमाने को
भूलो मत तुम भगवान नहीं हो
संभालो अपनी जज्बातों को...

उस ईश्वर उस खुदा के नाम पर
ठगते हो उनके ही बंदों को
सबके मन में अंधविश्वास फैला
मिटाते हो विश्वास को....

ना देखा किसी ने स्वर्ग
ना देखा है उस नर्क को
ना देखा किसी ने जन्नत
ना ही उस जहन्नम को
फिर क्यों डरते हो अपने कर्म से
कर्म करो फल भी मिलेगा
स्वर्ग जहन्नम में नहीं
जो मिलना है यही मिलेगा.....

खुदा ने जो नूर दिया है
उस की चमक को बरकरार रखो
मिटने मत दो इस सृष्टि को
दुनिया में बस प्यार बांटो...

संध्या कुमारी साव
वर्धमान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

साँझ के पंछी

ये सांझ के पंछी, मुझे याद दिलाते हैं
तुम्हारी और मेरी..
जो लेने को आसरा
ठहरते हैं किसी पेड़ पर
और सुबह की पहली किरण के साथ
उड़ जाते हैं दो विपरीत दिशाओं में...
हमदोनों में तुम थे,
उन पंछियों में से एक!
जिसने भोर होते ही
पसारे अपने पंख और
भर ली ऊंची उड़ान!
पलट कर नहीं देखा
कोई है जिसने नापना चाहा नभ
तुम्हारे पंखों के साथ पँख मिलाकर
पर मुश्किल बड़ी थी
तुम्हारी उड़ान ऊंची थी!
मैं वापस लौट आयी उसी डाल पर
जिसपर लिपटा था
तुम्हारे सामिप्य का एक टुकड़ा अंश
बैठी रही कभी तो भूले भटके
लौटोगे तुम यहाँ
और शायद फिर मिल जाएं
ये साँझ के पँछी!

मौसमी चंद्रा
पटना, बिहार।
www.womenexpress.in

साफ -साफ लिखदूंगा...

खत आया है उसका मैं भी
जवाब लिख दूंगा ,
जुल्फों को घटा और होंठ को
गुलाब लिख दूंगा ।
उसने कई सवाल लिख कर
जवाब मांगा है ,
मैं भी हर जवाब में एक एक
सवाल लिख दूंगा ।
सवाने हयात , मैं जब भी
अपनी लिख दूंगा ,
गमों का अपना हिसाबसाफ
साफ लिख दूंगा ।
कई चेहरे कई जलवे आंखों
ने मेरी देखे हैं ,
झील सी आंखे हैं उसकी और
शबाब लिख दूंगा ।
पहली नजर ही उसकी मुझे
मदहोशकर गई मुश्ताक ,
मैं तो उसकी आंखों को यारों,
हांशराब लिख दूंगा ।

डॉ.एमए शाह ,
मगरधा ।

सब्जी वाले

ले लो बाबू ले लो कुछ ही सब्जी बची है कम ही दाम में ले लो कैसे दे रहे हैं चाचा सब्जी। अरे बबुआ कुछ ही बची हुई है...वैसे तो सब्जी तीस रुपए किलो मार्केट में मिल रही है.....आप दस के ही ले लो चाचा जी एक बात बोलूँ.. हाँ बबुआ बोलो। आप तो अस्सी साल के लग रहे हैं,, इस उम्र में लोग तो ज्यादातर आराम ही पसंद करते हैं,, लेकिन आप मार्केट में सब्जी बेच रहे हैं,, क्या बात है। बताईए आपके बेटा उटा नहीं है का,, सौ गो राम के एक भी न काम के, एक मेरा बेटा बहुत ही छोटा है बबुआ। और बेटे पत्नी संग शहर में रहता है,, खर्चा पानी के लिए साल में कभी कबाड़ पैसे भेजता है,,, और नहीं। चाचा जी आप सब्जी कितने सालों से बेचते आ रहे हैं। बबुआ जब मैं छोटा था, तो अपने बाबूजी के साथ हटिया पर सब्जी बेचने आया करता था,,, मेरे बाबूजी जी भी सब्जी ही बेचा करते थे,, मैं अपने बाबूजी के साथ दिनभर खेत में काम करता,, कभी कबाड़ तो बेमौसमी बारिश होने से बाबूजी की सारी फसलें बर्बाद हो जाती और बहुत घाटे लग जाते... बाबूजी टेंशन में आकर तो सब्जी बेचने मार्केट नहीं जाते हमको ही जाना पड़ता सब्जी बेचने। चाचा जी आप पढ़े लिखे नहीं है का.. अरे बबुआ ऊहे जमाने में पढ़ाई लिखाई कहाँ होती..इसी वजह से नहीं पढ़ पाया। आपक छोटे बेटे को पढ़ाते है ना हाँ बबुआ वह स्कूल पढ़ने जाता है और जब छुट्टी रहती है तो काम में हाथ बटा देता है.... अच्छा ऐसा करिए आप चाचा जी सारी सब्जी को थैले में भर दीजिए। ठीक ये लो बबुआ दस रुपए दो.. नहीं चाचा जी दस नहीं पूरे पचास लीजिए... अरे अरे नहीं बबुआ मैंने पहले ही बोला था दस टाका ही लगेगा। चाचा जी आप मेरी ओर से बाकी पैसे रख लीजिए।

मों. सबीउद्दीन,
मधुबनी,
बिहार।

धोनी को फिर से खेलते हुए देखना शानदार होगा: सहवाग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 16 सितंबर । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को 'ज्यादा विशेष' होने की उम्मीद है और इसका मुख्य कारण महेंद्र सिंह धोनी का एक साल के लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा करने के बाद पिच पर लौटना है।

कोविड19 महामारी के चलते इस साल आईपीएल भारत से बाहर संयुक्त अरब अमीरात में कराया जा रहा है और यह 19 सितंबर से शुरू हो रहा है। सहवाग फ्लिपकार्ट वीडियो पर एक शो 'पावर प्ले विद चैम्पियंस' की सह मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हर किसी खिलाड़ियों और साथ ही दर्शकों के लिये कुछ ज्यादा विशेष होगा। धोनी को फिर से पिच पर देखना निश्चित रूप से खुशी देने वाला होगा। काफी कुछ होगा, क्या मुझे और ज्यादा कहने की जरूरत है? ''

अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के अपने फैसले से सभी को हैरान करने वाले धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अगुआई करेंगे और टीम 19 सितंबर को अबुधाबी में लीग के शुरूआती मैच में गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट भारतीयों की जिंदगी का अहम हिस्सा है और प्रशंसकों ने खेल की बहाली के लिये काफी लंबा इंतजार किया। उन्होंने कहा, ''मैंने लॉकडाउन में अपना काफी समय पुराने मैचों को देखते हुए उनका विश्लेषण करते हुए बिताया जिसमें मेरी पारियां भी शामिल थीं। क्रिकेट हम भारतीयों के 'डीएनए' (जीन्स) का अहम हिस्सा है और हमने इसकी वापसी के लिये काफी इंतजार किया। ''

आईपीएल में मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं मिश्रा

दुबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा इस टूर्नामेंट में मुंबई इंडियंस के लसित मलिंगा का सर्वाधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। मुंबई इंडियन्स के श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मलिंगा निजी कारणों से इस बार टूर्नामेंट से हट गए हैं। मलिंगा ने आईपीएल के 122 मैचों में 170 विकेट लिए हैं जो टूर्नामेंट में सर्वाधिक हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मिश्रा ने 147 मैचों में 157 विकेट लिए हैं और उन्हें मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने के लिए 14 विकेट की दरकार है। मिश्रा के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स टीम के ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह और लेग स्पिनर पीयूष चावला भी मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने की होड़ में शामिल थे लेकिन हरभजन ने निजी कारणों से आईपीएल से हट जाने का फैसला किया जिससे अब मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने के दूसरे दावेदार चावला ही रह गए हैं। चावला ने अबतक 157 मैचों में 150 विकेट लिए हैं।

कंगना ने फिर जया बच्चन पर बोला हमला, स्वरा भाष्कर ने उनके बयान को ऊण मानसिकता करार दिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 16 सितंबर । कंगना रणौत ने संसद में मशहूर अदाकारा एवं सांसद जया बच्चन द्वारा की गयी 'थाली' संबंधी टिप्पणी पर बुधवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी और दावा किया कि उन्हें तो थाली में सजाकर कुछ नहीं मिला। मंगलवार को बच्चन ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि इस मनोरंजन उद्योग के बारे में सोशल मीडिया पर भला बुरा कहा जा रहा है। उन्होंने सरकार से इसकी सुरक्षा करने और उसका साथ देने की मांग की। बच्चन ने बॉलीवुड में ड्रग की तस्करी एवं व्यसन पर लोकसभा सदस्य रवि किशन और रनौत द्वारा दिये गये बयानों का हवाला देते हुए कहा, '' जिन लोगों ने इस उद्योग में नाम कमाया, उन्होंने इसे गटर (गंदा

नाला) कहा है । मैं इससे पूरी तरह असहमत हूं... मुझे वाकई बड़ा असहज लगा और शर्मिंदगी महसूस हुई जब कल लोकसभा में हमारे एक सदस्य, जो इसी उद्योग से आते हैं, ने बोला। मैं नाम नहीं ले रही। यह शर्मनाक है।'' बच्चन ने कहा, '' जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं। गलत बात है। '' अपने भड़काऊ बयानों से सुर्खियों में चल रही रनौत ने मंगलवार को बच्चन की निंदा की और बुधवार को भी उन्होंने उन पर हमला जारी रखा। रनौत ने कहा, '' किस थाली की बात आप कर रही हैं, जया जी? एक ऐसी थाली दी गयी जिसमें दो मिनट की भूमिका, आईटम नंबर एवं रोमांटिक सीन की पेशकश थी और वो भी हीरो के साथ सोने के बाद। '' उन्होंने ट्विटर पर लिखा, '' मैंने फिल्मोद्योग को नारीवाद का पाठ पढ़ाया, देशभक्ति वाली फिल्मों से 'थाली' सजायी। यह मेरी अपनी थाली है जयाजी , आपकी नहीं।'' 'तनु वेड्स मनु' में रनौत के साथ अभिनय करने वाली स्वरा भास्कर ने इस कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा, '' अपने दिमाग की गंदगी अपने तक सीमित रखिए।

मिर्जापुर 2 में मोगैम्बो, शाकाल और गब्बर के 2.0 वर्जन में नजर आएंगे कालीन भैरया

नई दिल्ली। मिर्जापुर 2 की घोषणा के बाद से ही उत्साह अपने चरम पर है। जब से निर्माताओं ने राष्ट्र के सबसे लोकप्रिय शो के दूसरे सीजन की घोषणा की है, सभी की नजरें इस पर टिकी है जहां पहले कभी नहीं देखी दुनियां की झलक ने हम सभी को रोमांचित कर दिया है। सीजन 2 के साथ, मिर्जापुर का कुनबा बड़ा हो जाता है, लेकिन नियम समान रहते हैं। पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्यांन्दु, श्वेता त्रिपाठी शर्मा,

रसिका दुगल, हर्षिता शेखर गौड़, अमित सियाल, अंजुम शर्मा, शीबा चड्ढा, मनु ऋषि चड्ढा और राजेश तैलंग जैसे कलाकारों के इस एक्शन से भरपूर श्रृंखला में वापसी कर रहे हैं। ऐसे में, आप भी एक स्टाइलिश लेकिन देहाती दुनिया में प्रवेश करने के लिए तैयार हो जाइये जहां अपराध, ड्रग्स, हिंसा शासन और जीवित रहने के लिए लड़ने की जरूरत है। शो के सीक्वल में विजय वर्मा, प्रियांशु पैन्यूली और ईशा तलवार भी नज़र आएंगी। मिर्जापुर 2 में कालीन भैय्या के रूप में अपनी गैंगस्टर भूमिका को दोहराते हुए, पंकज त्रिपाठी ने बताया कि कैसे आज के दौर के विलन बीते युग के खलनायकों के मुकाबले विकसित हो गए हैं।अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अक्टूबर को रिलीज़ होने वाली इस सीरीज से पहलेअभिनेता का कहना है कि इस एक्शन थ्रिलर ने 80 और 90 के दशक से हिंदी फिल्म खलनायक शाकाल और मोगैम्बो के विरुद्ध, एक अलग खतरनाक विलन की पेशकश की है।

अजनबी अपना

मिलते हैं, चलते चलते
ये अजनबी मिलते हैं,
रहते हैं फिर दिल मे हरदम
फिर दिल मे हलचल करते हैं,
ये अजनबी मिलते हैं
मिलते हैं ,चलते चलते
वो भी मिला है राह में
चलूं साथ दोस्ती की छांव में
फिर मिलूं उससे कभी
किसी मोड़ के टकराव में
बातें करते हैं चलते चलते
संग में रहते हैं चलते चलते
दुख में होते हैं अपने से
लगते सच्चे सपने से
मिलती हैं सारी खुशियां
जो मिलता हूँ उनसे चलते
चलते
मिलते हैं चलते चलते
ये अजनबी मिलते हैं

अंकुल त्रिपाठी निराला
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

पानी के रंग सा प्यार

ये कैसा पानी के रंग सा तेरा
प्यार है
कभी तो बनके ऊष्मा
सांसों में समा के उड़ जाता है
फिर बनके बादल घना
दिल की गहराइयों में
बारिश के जैसे बरस जाता है
कभी कभी तो ठंडी बर्फ
के जैसे मेरे कलेजे की
ठंडक बन जाता है
जैसा रंग मेरे प्यार का गुलाबी
तू भी मिलकर उसमें
गुलाबी हो जाता है
और जहां जहां भी
मेरी ये नज़र जाती है
ये समंदर का पानी
पहाड़ो से उठता धुंआ
सबमें तेरे प्यार का
अक्स नज़र आता है।

स्वामी दास
www.womenexpress.in

सैनिक

मरते मरते रही बस यही आरजू,
अपनी जां को मैं वतन पे वार दूं।
रगों में बहते एक एक
बूंद की कसम,
आज सैनिक होने का मैं कर्ज
उतार दूं।

हो रहे क्यूं अलग पताका के रंग,
तीन रंग को मिला देश को
रफ़्तार दूं।
धर्म कब से देश से बड़ा
होने लगा,
मैं फिर धर्म को नहीं इस चमन
को प्यार दूं।
देश को क्या वो दिन
दिखाओगे तुम,
एक सच्चा ईमानदार पत्रकार दूं।

सत्य को कैद किया झूठ बरी
हो गया,
क्या उसी पत्रकार को मैं
आभार दूं।

बनाओगे गुलाम क्या फिर
मुल्क को,
अब इंकलाब की तरह मैं फिर
आवाज दूं।
सोच रहे हो जो तुम बेंच
दोगे सब कुछ,
सुभाषचन्द्र बोस की तरह आज
मैं आग़ाज़ दूं।

अनुराग मौर्य
www.womenexpress.in

सबकी अपनी- अपनी चिंताएँ

देखिए ! सबकी अपनी अपनी चिंताएँ हैं। इसलिए लोग चिंतनजीवी हो चले हैं। चिंता के कई आकार और प्रकार हैं। हमारे देश में कई लोग चिंता से शुरुवात कर चिंतनशील बन गए और उनकी फेहरिस्त भी लम्बी है जो इस सफ़र में चिता तक पहुँच गए। अब यह चिंतन की इम्युनिटी पर आत्मनिर्भर करता है कि आप चिता तक पहुँचते हैं कि नहीं। क्योंकि चिंता और चिंतन के विभेद बहुत हैं जिसकी वजह से इसकी अनन्या अन्य उपशाखाएँ भी हैं।

सरकार को संसद चलाने की चिंता है तो बेरोजगारों को पकौड़े तलने की चिंता है। प्रेमी को प्रेमिका की चिंता है तो मियाँ को बीबी की। किसी को मोर के शोर मचाने का डर है तो किसी को चिल्लाने की चिंता है। किसी को थाली में छेद होने की चिंता है तो लाखों को थाली बजाने चिंता है। सबकी अपनी अपनी चिंता है।

चिंताएँ भी चिता से कम नहीं हैं। हो भी क्यों नहीं अभी तक हम भूत, भविष्य और वर्तमान काल में उलझे थे। लेकिन कुछ अहेतुक कालों ने यह मुश्किल और बढ़ा दिया है। जैसे आपातकाल और कोरोनाकाल। इससे भी बढ़ कर एक और नयी आफत आई है, जिसका नाम प्रश्नकाल।अब प्रश्नकाल को ही ख़त्म कर दिया गया है। चिंतनशील लोगों की चिंता का सबसे बड़ा कारण यहीं है। फ़िलहाल चिंतन जारी रखिए।

प्रभुनाथ शुक्ल
www.womenexpress.in

नींद और चैन सुकूं अपना उड़ा रक्खा है

नींद और चैन सुकूं अपना
उड़ा रक्खा है
तेरी यादों ने बहुत शोर
मचा रक्खा है

दर्द सहने का हुनर सीखिए
जाकर उससे
जिसने हर ग़म को सलीके से
छुपा रक्खा है

हम तो शाइर हैं सियासत से हमें
क्या लेना
चल कहीं और यहां कुछ न
मज़ा रक्खा है
कैसे दिल बस में रहे मेरे
बताओ, उसने
देख के हमको निगाहों को झुका
रक्खा है
पाप कैसा किया है आदमी ने
हाय अल्लाह
आज हर शख़्स ही मुँह अपना
छुपा रक्खा है

चाहे कितना भी अँधेरा हो
सँभल जायेगा
जिसने मालिक का दिया दिल
में जला रक्खा है

बज़्म में आ के सरस नज़्म
सुनाओ कोई
तेरी राहों में कोई फूल बिछा
रक्खा है

सुशील तिवारी
बलिया, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरा अभिमान

बिना रुके और बिना थके,
सपनो को साकार किया,
आलोचनाओं, मुश्किलों
को,हंस कर तूने स्वीकार किया।

हर चेहरे को दी मुस्कान,
नरेंद्र मोदी मेरा अभिमान।
दिशाहीन हो रहे देश को,
सक्षमता का दिया आकार,
बुलिट ट्रेन की रफ्तार में,
सरपट दौड़ी तेरी सरकार!
सेना की बढ़ायी शान,
नरेंद्र मोदी मेरा अभिमान।

सबके हित को दिल में
रखा,महिलाएँ बच्चे और किसान,
घरमन को साफ़ कर
दिया,चला के स्वच्छता अभियान।
देश का बढ़ा दिया सम्मान,
नरेंद्र मोदी मेरा अभिमान!

डिजिटल इंडिया, मेक इन
इंडिया से,बनी नयी पहचान,
विकास की मशाल लिए,किया
भारत का नव निर्माण!
हिंद की वापस लायी शान,
नरेंद्र मोदी मेरा अभिमान।

ममता सिंह
वरिष्ठ कवयित्री
नोयडा उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जल की एक बूंद भी है बहुत अनमोल

जल की एक बूंद भी है बहुत
अनमोल
प्यासे के लिए जल है अमृत
का स्रोत
जल है तो कल है यहीं है
अटल सत्य
जल का संचय करो जल ही जीवन

जल से खेतों में फसलें लहराती
जल से चहुं ओर हरियाली छाती
जल से जीव प्यास अपनी बुझाते
जल से है प्राणी प्राण अपने पाते

जीवन के लिए आवश्यक जल
पंच महातत्व में जल है अहम
जल के बिना सकल जगत में
नहीं है जीवन किसी का संभव

जल की कीमत तुम पहचानो
व्यर्थ ना तुम इसको बहाओं
जल संरक्षण नित्य करो
बूंद बूंद प्रतिदिन बचाओ

जल ही जीवन का आधार
यह बात सदा याद रखो
जल नहीं, जीवन बचाओ
आज नहीं कल बचाओ।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली राजस्थान ।
www.womenexpress.in

प्रतीक्षा है विकास के आगमन की

षष्ठम वर्ष व्यतीत हो गया,
अब तक हुआ न आना,
आंखें तरस रहीं, दर्शन को,
लोग दे रहे ताना!

बड़ी उम्मीद लगा रखी थी
जब विकास आ जाएगा,
निर्धनता से मुक्ति मिलेगी,
जीवन ही संवर जाएगा!
ताल ठोंककर कहने वाले,
गुमसुम से क्यों रहते हैं!
होगा, होगा, धीर धरो भी,
ऐसा ही कुछ कहते हैं!

पहले तो हम खुश रहते थे ,
थोड़ी सी ही कमाई से
पर जब से हो आप महोदय,
त्रस्त हुए महंगाई से!

अब तो यूं लगता है हमको,
अब विकास नहीं आएगा,
हम अभ्यस्त हो गए हैं वैसे,
जीवन तो कट जाएगा,!

पद्म मुख पंडा
ग्राम मह्रा पल्ली
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

माँ तो सिर्फ माँ होती है

चाहे गरीब हो चाहे अमीर
चाहे बूढ़ी ,चाहे जवान
हर एक माँ, बच्चे के लिए
खुदा होती है, माँ तो सिर्फ माँ
होती है

माँ भी अपने बच्चे को
काला गोरा, या मोटे नयन नक्ष
का कहाँ कहती है
क्योंकि माँ तो सिर्फ माँ होती है
माँ अपने बच्चों पर ही
लुटा देती है, खुशियाँ सारी
बच्चे का पेट भरने की खातिर
ये खुद भूखी रह लेती है
लेकिन खाली पेट रहकर भी
किसी को उलाहना कहाँ देती है
क्योंकि माँ तो सिर्फ माँ होती है

हर माँ अपने बच्चों पर
सब कुछ है वार देती
चाहे हो कितनी भी दुखी
ये बच्चे की जिद आगे सब कुछ
हार देती क्योंकि ये दुखों से
हारी मैं
कब कहती है क्योंकि माँ तो
माँ होती है

करमजीत कौर,
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।

सोया हुआ अर्जुन

ऐ सोए हुए अर्जुन उठ जा कब
तक सोएगा,
इतना सो लिया और कितना सोएगा,
तू भूल गया अपनी ताकत,
तू भूल गया अपनी शक्ति,
तू अर्जुन है गांडीवधारी,
तू सब कर सकता है क्यों हार
कर बैठा है,
क्यों अपने आप को कोसता है
याद कर तू अर्जुन है
तू गिरा है तो दुगनी रफ्तार से
उठा भी तो है ,
तो इस बार इतनी देर क्यों,
अब बात जीतहार की नही
सिर्फ युद्ध की है,
तुझमे सामर्थ्य है तू उठ लड़
और जीत
तू युद्ध का इतना आदि है कि
लड़ने को कुछ नही,
तो स्वयं से लड़ रहा तू रुक
जा वरना खो जाएगा,
तू स्वयं सर्वशक्तिमान है,
तू स्वयं बलवान है,
खुद से तू मत लड़ रुक जा,
तू जाग तू सर्वशक्तिमान है
तू प्रयास कर फिर खड़ा होने का
तुझे सिर्फ लक्ष्य दिखता है
तू कहा रास्ते देखता है,
उठ तू अर्जुन है,
लड़ तू अर्जुन है

जयेश कुमार
आबूरोड, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

धर्मनिष्ठ तथा धर्मभीरु में अंतर

धर्मनिष्ठ वह होता है जो श्रद्धा से धर्म को मानता है। जबकि धर्मभीरु का मतलब धर्म से डरने वाला होता है। धर्मभीरु भयवश धर्म को मानता है। धर्मनिष्ठ व्यक्ति धर्म के असली अर्थ और महत्व को भलीभांति जानता और समझता है, किंतु धर्मभीरु व्यक्ति धर्म के अर्थ और महत्व को समझे बिना ही धर्म का पालन करता है।

धर्मनिष्ठ व्यक्ति मानवता के पालन को ही सबसे बड़ा धर्म मानता है। करुणा, क्षमा, सत्यवादन, चोरी न करना, अहिंसा, किसी को शारीरिक या मानसिक कष्ट न देना, दूसरों की सहायता करना, मातापिता एवं गुरुजनों का आदर करना आदि मानवीय गुण और जीवन के मूलभूत सिद्धांत, धर्मनिष्ठ व्यक्ति के स्वभाव और चरित्र में निहित होते हैं। किंतु धर्मभीरु व्यक्ति धार्मिकआध्यात्मिक पुस्तकों और गुरुजनों द्वारा भयभीत कराए जाने के कारण इन मानवीय गुणों और जीवन के मूलभूत सिद्धांतों का भयवश अनुपालन करता है।

शायद ऐसे लोगों के लिए ही नर्क आदि लोकों की कल्पना की गई है और धार्मिक पुस्तकों में भांतिभांति के नर्कों और उनकी भांतिभांति की यातनाओं का वर्णन कर, ऐसे व्यक्तियों को धर्म के मार्ग पर चलाने का प्रयास किया गया है। अच्छेबुरे कर्मों को पापपुण्य की श्रेणी में बांटने और स्वर्गनरक जाने की अवधारणा भी इन्हीं धर्मभीरु व्यक्तियों के कारण संभव हुई है। संतमहात्माओं के द्वारा दिए गए उपदेशों को एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति श्रद्धा से सुनता है, प्रशन्नचित्त होकर उनके द्वारा बताई हुई अच्छी और प्रेरणादायक बातों का चिंतन मनन करता है और उनको अपने जीवन में निर्भीकता से उतारता है। किंतु धर्मभीरु व्यक्ति इन उपदेशों और उनके द्वारा बताई हुई अच्छी और प्रेरणादायक बातों का अनुपालन भयवश और स्वर्ग आदि प्राप्त करने के लालच में करता है। इसीलिए जनसामान्य में लोकपरलोक की चिंता रहती है।धर्मनिष्ठ व्यक्ति निस्वार्थ भाव से कर्तव्य का पालन करता है। किंतु धर्मभीरु व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में स्वार्थ की भावना निहित होती है, वह धर्म का पालन अपने पुण्य कर्मों के खाते को बढ़ाने के लिए ही करता है। किंतु ऐसी भावना के कारण कभी कभी वह जिन्हें पुण्य कर्म समझकर करता है, अनजाने में वही उसके पाप कर्म बन जाते हैं।

ऐसे लोगों के लिए ही भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु
कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते
संङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

इसका तात्पर्य यही है कि व्यक्ति को धर्मनिष्ठ होते हुए बिना कर्मफल की इच्छा के अपने कर्तव्य का पालन करते रहना चाहिए। उसे धर्मभीरु बनकर अच्छे कर्मों यानी पुण्य कर्मों के फलस्वरूप मिलने वाले स्वर्ग आदि लोकों के लालच में धर्म का पालन नहीं करना चाहिए।

अतः स्पष्ट है कि व्यक्ति को धर्मनिष्ठ होना चाहिए न कि धर्मभीरु।

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

रवायत (विधा- लघु कथा)

साल दर साल बीतते जाने कितने साल बीत गए। लड़कों के बनिस्पत लड़कियों की संख्या घटती चली गई, कारण समाज का रवैया। अंततः ऐसा वक्त आया, उसी की एक झलक दो खूबसूरत और सुयोग्य बेटियों की माँ, उनके दफ्तर जाने का वक्त हो रहा था कि किसी के आने की आहट आई। रोज़ाना बेटियों के लिए रिश्तों की आवाजाही ने नाक में दम कर रखा है। मन में विचार आए। आगंतुकों से कहा भाई साहब, बहन जी! लड़के का फोटो, बायोडाटा रख दीजिए। पति और बेटियाँ दफ्तर जा चुके हैं। शाम को इकट्ठे होंगे, फिर विचार करेंगे।

मैडम! आप हमें लगातार टाल रही हैं। एक लड़के के पिता का दुखी स्वर निकला।

जवाब मिला, गुज़रे जमाने की बात न कीजिए, भाई साहब! नए जमाने में समान शिक्षा प्राप्त बेटियों ने माँबाप का सर ऊँचा किया है। रवायतें बदली हैं, तभी आप यहाँ अपने लड़के का रिश्ता लेकर खड़े हैं। पुराने जमाने में ससुराल में बेटियों पर हुए अत्याचारों के मद्देनजर उन्होंने तय किया है कि वह लड़कों के साथसाथ उनके माँबाप का भी इंटरव्यू लेंगी। वह पूछेंगी, बहू को बेटे की समकक्ष मानकर ले जाना चाहते हैं या श्रमिक बनाकर? प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर पाकर ही बातचीत बढ़ेगी। हम गुज़रे जमाने की तरह कुंडली नहीं माँगेंगे पर योग्य दूल्हे के लिए कुछ शर्तें होंगी। जवाब लड़के और उसके माँबाप को दोनों को देने होंगे, जैसे

1. लड़का दिखने में अच्छा खासा, पढ़ालिखा और सुशील, संस्कारी, सिगरेट और मदिरा का सेवन न करने वाला, कम से कम मेरी लड़की के बराबर शिक्षित हो।

2. लड़के को घर के कामों में उसकी माँ ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए, उसे भलीभाँति निपुण बनाया हो।

3. बारबार यह कहना कि बेटे को लाड़प्यार से बड़ा किया है। मेरी बेटियों का प्रश्न होगा, 'प्यार से सींचकर हमें भी पाला है, गद्दे की तरह धुना नहीं गया।'

4. लड़का यदि पत्नी की घरेलू कामकाज में मदद करे, तो यह ताना मारना सर्वथा वर्जित होगा,'जोरू का गुलाम'।

5. फोटोबायोडाटा, वही सज्जन एवं मोहतरमा रख सकते हैं, जो मेरी बेटियों को बेटों के बराबर सम्मान दे सकें। बहू को सिर्फ वंशबेल बढ़ाने का साधन न समझें। जाते हुए फोटो बायोडाटा सेंटर टेबल पर रख दीजियेगा। पहले से 6065 पड़े हैं, अभी विचार विमर्श चल रहा है। कहकर ऑफ़िस के लिए निकल गईं।

नीना सिन्हा
www.womenexpress.in

पंक्षी...

सुबह उड़ते उड़ते पंक्षी बोले,
प्यारे बच्चों क्या हालचाल हैं।
सुबह से तुम लिखते रहते हो,
सचमुच सब बच्चे कमाल हैं।।
बच्चों कुछ लिखो हमारे बारे में भी,
हम कठिन दौर से गुजर रहे हैं।
हमकों खाना कहाँ मिलेगा अब,
धरा पर मानव जंगल काट रहे हैं।।
तोता मैना चिड़िया कोयल सारे,
इसी सोंच में हम सब हैं भारी।
मानव हमारा घर उजाड़ रहा,
आखिर क्या गलती थी हमारी?
जब न होंगे इस धरा पर जंगल,
कहाँ होगा फिर बसेरा हमारा?
बच्चों तुम सबको यह समझाना,
न होंगे पेड़, तो न होगा जहाँ हमारा।।

नवनीत शुक्ल (शिक्षक)
रायबरेली,
उत्तर प्रदेश।

एक नजर

ठनके की चपेट में आने से 2 भाईयों समेत 3 की मौत

औरंगाबाद । बिहार के औरंगाबाद जिले में गुरुवार को ठनका गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति झुलस गया। गोह थाना क्षेत्र के देवहरा एवं शेखपुरा गांव में ये हादसा हुआ। मृतकों में देवहरा गांव के निवासी अजय मालाकार के दो पुत्र 14 वर्षीय आशीष मालाकार एवं 12 वर्षीय गोलू कुमार शामिल है। इधर, शेखपुरा गांव के निवासी प्रवेश चौधरी के 18 वर्षीय पुत्र मुनेश कुमार शामिल है। बताया जाता है कि गुरुवार को शाम देवहरा गांव के दोनों भाई दरवाजे के समीप खेल रहे थे, तभी बिजली चमकी। दौड़कर घर आ रहे दोनों बच्चे गिर गए। जब परिजन उठाने गए तो दोनों बच्चों बेहोश थे। लोगों ने बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

यूपी में 24 घंटे में कोरोना के 6318 नये मामले, 68,235 एक्टिव केस

प्रदेश में 38522 लोग होम आइसोलेशन में है प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत 78.29 है

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 17 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि गृह विभाग द्वारा धारा 188 के तहत 2,26,450 एफआईआर दर्ज करते हुये 4,27,889 लोगों को नामजद किया गया है। प्रदेश में अब तक 15570115 वाहनों की सघन चेकिंग में 72,343 वाहन सीज किये गये।चेकिंग अभियान के दौरान 809154214 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 4,37,321 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 1242 लोगों के खिलाफ 919 एफआईआर दर्ज करते हुए 446 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फेक न्यूज के तहत अब तक 2576 मामलों को संज्ञान में लेते हुए कार्यवाही की गई है। 17 सितम्बर को कुल 08 मामले, जिनमें फेसबुक के 07, व ट्विटर के 01 मामले को संज्ञान में लिया गये हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 19,104 कन्टेनमेंट जोन के 1,217 थानान्तर्गत, 1529710 मकानों के 8499260 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन कन्टेनमेंट जोन में कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या 51,525 है। इंस्टीट्यूशनल क्वारेंटाईन किये गये लोगों की संख्या 33,543 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में हॉटस्पॉट वाले बस्तियों की अनुमानित जनसंख्या 8568418 के सापेक्ष 18,331 डोर स्टेप डिलिवरी मिल्क बूथ / मैन के द्वारा दूध वितरित किया गया है डोर

स्टेप डिलिवरी फल, सब्जी आदि कुल 22,409 वाहन लगाये गये हैं डोर स्टेप डिलिवरी वाले प्रोविजन स्टोर की संख्या 19.446 है। प्रोविजन स्टोर के माध्यम से डिलिवरी करने वालों की संख्या 18,535 है। हॉट स्पॉट क्षेत्रों में कुल 03 प्रचलित सामुदायिक किचन हैं इन बस्तियों में 1555228 राशन कार्ड पर खाद्यान्न वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्यों से जुड़े 18.25 लाख श्रमिकों, नगरीय क्षेत्र के 8.91 लाख श्रमिकों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के 6.74 लाख निराश्रित व्यक्तियों को रु 010001000 / के आधार पर कुल 33.90 लाख लोगों को 339.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। निर्माण कार्यों से जुड़े 17.14 लाख श्रमिकों को द्वितीय किश्त का भी भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश की पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेन्ट एवं मास्क सहित कुल 97 इकाईयां क्रियाशील हैं। प्रदेश में 1127 फ्लोर मिल, 503 तेल मिल एवं 357 दाल मिल संचालित की जा रही है। प्रदेश में कोविड19 के सम्बंध में राहत आयुक्त कार्यालय में राज्य स्तर पर स्थापित एकीकृत आपदा नियंत्रण केन्द्र के टोल फ्री हेल्पलाईन नं0 1070 पर प्राप्त 1.20,132 कॉल्स में से 1,19,749 का निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि रोडवेज की 7342 बसों के माध्यम से 10 लाख 62 हजार लोगों ने यात्रा की। राजस्थान तथा हरियाणा से भी अन्तर्जनपदीय बसे चलाई जा रही है। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोविड19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में 1,51.693 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक 8089881 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घंटे में कोरोना के संक्रमित 6318 नये मामले आये है। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत 78.29 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 68,235 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन में 36,522 लोग हैं। माह सितम्बर में अब तक कुल 2302964 सैम्पल की जांच की गयी है। निजी चिकित्सालयों में 3902 लोग तथा सेमी पेड एल1 प्लस में 230 लोग ईलाज करा रहे है। उन्होंने बताया कि लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, मुजफ्फरनगर, मेरठ में पाजिटिव दर अधिक पायी गयी है। इसी प्रकार हमीरपुर, हाथरस, बागपत, महोबा तथा श्रावस्ती में पाजिटिव दर कम पायी गयी है। उन्होंने बताया कि कोविड19 की कोई भी वैक्सीन अभी तक नहीं आयी है इसलिए इससे संबधित जो भी बचाव के नियम है उनका पूरा पालन किया जाए। जैसे साबुन, पानी से बारबार हाथ धोना, सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से दो गज की दूरी के साथ व मास्क लगाना है जरूरी।

धूमधाम से मनाया गया सृष्टि रचनाकार भगवान विश्वकर्मा का पर्व

(अमित पाठक/

बहराइच । गुरुवार को विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में की भगवान विश्वकर्मा की पूजा बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ जनपद बहराइच में मनाया गया।

आपको बता दे कि जिला अध्यक्ष शिव शंकर विश्वकर्मा के निज निवास स्थान चहलारी घाट रोड गदामर खुर्द में संपन्न हुई इस मौके पर अखिल भारतीय बढ़ई महासभा के बहुत से पदाधिकारी गण आदि मौजूद रहे। भगवान विश्वकर्मा की कथा के उपरांत हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ और इसी के साथसाथ प्रसाद वितरण व भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें कोविड19 को दृष्टिगत रखते हुए सेनीटाइजर के उपयोग करते हुए सीमित संख्या में कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम स्थल पर जिला अध्यक्ष बहराइच शिव शंकर विश्वकर्मा युवा जिला अध्यक्ष रवि कुमार विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष प्रभाकर विश्वकर्मा तहसील अध्यक्ष बहराइच कुमार विश्वकर्मा प्रधान युवा जिला संगठन मंत्री पवन विश्वकर्मा विजय कुमार विश्वकर्मा पप्पू विश्वकर्मा कमलेश विश्वकर्मा राजू विश्वकर्मा पंकज विश्वकर्मा काशीराम विश्वकर्मा धीरज लाल विश्वकर्मा पेशकार विश्वकर्मा राधेश्याम विश्वकर्मा सागर विश्वकर्मा अजय विश्वकर्मा रिंकू विश्वकर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत टूल किट वितरित किया

लखनऊ/दिल्ली , 17 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि अर्थव्यवस्था और समाज की व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न टेड्डों के हस्तशिल्पियों, कारीगरों तथा अन्य पारम्परिक उद्योगों से जुड़े लोगों को वर्तमान सरकार ने समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया है। पहले यह लोग उपेक्षित थे। उनके पास हुनर था, लेकिन मंच नहीं था। कौशल था, लेकिन प्रोत्साहन नहीं था। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' तथा 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना लागू की, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किया गया। अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के साथ कारीगरों व हस्तशिल्पियों को जोड़े जाने से आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत टूल किट व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत ऋण वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

पीएम के जन्मदिवस पर पयागपुर विधानसभा संयोजक ने किया मरीजों में फल वितरण

(अनित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विधानसभा पयागपुर के भाजपा विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशेश्वरगंज में मरीजों को फल वितरित कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर निशंक त्रिपाठी ने कहा कि आज देश ही नही बल्कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता का जन्मदिन है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पराक्रम, कौशल व संकल्प शक्ति के आगे आज दुनिया नतमस्तक है।आप लोग प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करिए बाकी देश की जनता के स्वास्थ्य सुरक्षा सहित अन्य जिम्मेदारियों का निर्वाहन तो मोदी जी भली भाँति कर ही रहे हैं। मौके पर मण्डल अध्यक्ष धनुही राज कुमार शुक्ल भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष आनन्द पाण्डेय मण्डल महामंत्री सन्तोष गौतम विजय शंकर द्विवेदी सतीश पाण्डेय अमनीश द्विवेदी सीएचसी प्रभारी डॉ उत्कर्ष मिश्र चीफ फार्मासिस्ट अरुण चंद शुक्ल गुड्डू पाठक रमन पाठक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भदोही: काँग्रेस ने पकौड़ा बेंच मोदी की नीतियों का किया विरोध

भदोही, 17 सितम्बर। राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस पर भदोही शहर के शिक्षित बेरोजगार युवको ने ब्रेड पकौडा बेचकर केन्द्र की मोदी सरकार के गलत नीतियो का जमकर विरोध किया। युवाओ ने बाहो मे काली पट्टी व हाथो मे सलोगन लिखे दफ्ती लिए पकौडा छान कर बेच रहे थे आज युवा काग्रेस नेता उपेन्द्र भारतीय के नेतृत्व मे दर्जनो शिक्षित युवा नगर के इन्द्र बहादुर सिंह नेशनल इन्टर कालेज के पास पकौडा बेचा और केन्द्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार के विरुद जमकर नारेबाजी की ।

इस दौरान वहा पर मौजूद वरिष्ठ नेताओ ने कहाकि आज पुरे देश के युवा प्रधान मन्त्री नरेद्र मोदी जी के जन्म दिन को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप मे मना कर अपना आक्रोश ब्यक्त कर रहे है।पार्टी के जिला अध्यक्ष देव नारायण यादव ने युवाओ का हौसला बढाया और कहा कि आप लोग निराश न हो आपकी लडाई काग्रेस पार्टी सडक से लेकर संसद तक लडेगी और आपको आपका हक दिलाकर ही रहेगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता मुशीर इकबाल ने कहाकि 2014मे भाजपा

के झासे मे आकर देश के नौजवानो व छात्रो ने उन्हे सत्ता मे बैठा दिया । मोदी जी ने चुनाव के दौरान अच्छे सपने दिखाकर हर वर्ष दो करोड युवाओ को रोजगार देने का वायदा किया था । देश मे सात साल से मोदी जी प्रधान मन्त्री है और प्रदेश मे योगी जी मुख्यमन्त्री है जब जब युवा रोजगार के लिए आवाज उठाता है तो उन पर पुलिस लाठिया बरसाती है और जेलो मे बन्द कर देती है। विजय गौतम ने कहा मोदी जी सत्ता मे आने के बाद युवाओ को धोखा देने का काम किया। युवाओ ने लाखो रूपया खर्च कर कडी मेहनत कर उच्च डिग्री प्राप्त किया ।लेकिन अभी तक उन्हे कोई नौकरी व रोजगार मोदी सरकार ने नही दिया जिससे देश का युवा हताश व निराश है और कईयो ने तो आत्म हत्या कर लिया ।इस मौके पर प्रमुख रूप से संजय जयसवाल,अभिमन्यु यादव, करम चन्द बिन्द, महेन्द्र पासी, सुफियान अली, सुभाष चन्द्र यादव,बद्री पटवा, मसूद आलम, विनोद यादव, चन्द्रजीत यादव, राजेश कुमार, दिवेश,संदीप गौतम, लक्ष्मण चौहान, युवराज गौतम, आदि थे।

विप्र फाउंडेशन ने करवाया कोरोना से मृत आत्माओं हेतु तर्पण

जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने श्राद्धपक्ष की अमावस्या को आज जयपुर समेत पूरे देश भर में 32 स्थानों पर कोरोना के कालग्रास हुई सभी मृत आत्माओं के कल्याणार्थ नारायण पूजन, तर्पण व गीता पाठ करवाया।

जयपुर में पितृ तर्पण का यह विशेष अनुष्ठान मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा के मुख्य संरक्षण में अजमेर रोड स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में हुआ, जिसमें विफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व विधायक व उपाध्यक्ष शंकर शर्मा, राजस्थान जोन1 के प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल मुख्य यजमान के रुप में उपस्थित थे। इस दौरान विफा के राष्ट्रीय मंत्री विनोद अमन, सतीशचन्द्र शर्मा, माधव शर्मा, शंकरलाल शर्मा, अजय पारीक, अजीत गौड़, सुशील शर्मा,रजनीकांत आदि मौजूद रहे।

बीजी बिस्सा फोटोग्राफर एसोसिएशन संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष बने

बीकानेर। संभाग मुख्यालय के फोटोग्राफर एसोसिएशन संघ के संरक्षक, पूर्व चुनाव अधिकारी, संरक्षक मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी की सहमति से निर्णय लेकर वरिष्ठ छायाकार बीजी बिस्सा को कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस संस्था के 20 साल पूर्व चुने गए पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से भंग कर आगामी कार्यकाल के लिए बिस्सा को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बीजी बिस्सा को अब आगे नए मेंबर्स जोड़ने एवम् चुनाव प्रक्रिया को करवाने के लिए अधिकृत किया गया है। वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट मनीष पारीक के मुताबिक इस प्रस्ताव के लिए जिन लोगों ने संस्था के लेटर पैड पर उक्त जानकारी जारी की उनमें संरक्षकद्वय सीताराम मितल, रामगोपाल सुथार उर्फ मांगीलाल, झवरलाल सुथारपूर्व चुनाव अधिकारी, प्रदीप सिंह चौहान, कार्यकारिणी सदस्यों में अजीज भुट्टा, वरिष्ठ फोटोग्राफर अली मोहम्मद, विजय कुमार मूंदड़ा, प्रीतम कुमार

सुथार, चोरूलाल सुथार, रूप कुमार पुरोहित, पूनम चंद मारू, दिनेश गुप्ता आदि रहे। पारीक ने बताया कि पूर्व पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बीकानेर के सभी स्टूडियो संचालक और आउटडोर फोटोग्राफरों को एकजुट करके उनके के विकास के लिए एक मंच पर आने की अपील की है।

विप्र फाउंडेशन मुम्बई ने सर्वात्माओं का तर्पण करके निभाया सामाजिक कर्तव्य

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई। वर्तमान परिस्थितियों के चलते कोरोना से हो रही मृत्यु पर अंतिम संस्कार व अन्य कर्मकाण्ड पूर्ण विधानपूर्वक नहीं हो पा रहे है।

ऐसे में देश की अग्रणी समाजसेवी संस्था विप्र फाउंडेशन ने कोरोना से कालग्रस्त सर्व आत्माओं के कल्याणार्थ राष्ट्रीय स्तर पर श्राद्ध पक्ष की सर्व पितृ अमावस्या के शुभ दिन देशभर में सभी राज्यों में विभिन्न स्थानों पर नारायण पूजा व गीता के मूल पाठ का सार्वजनिक अनुष्ठान आयोजित करने का निर्णय लिया। इस राष्ट्रव्यापी अनुष्ठान के अंतर्गत विप्र फाउंडेशन मुम्बई द्वारा हाईवे हनुमान मंदिर मलाड में आज नारायण पूजा व गीता पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें कोरोना काल में सर्वसमाज की दिवंगत आत्माओं के कल्याण के

लिये सामूहिक तर्पण कार्यक्रम व भगवान नारायण की पूजा अर्चना व सामूहिक गीता पाठ हुआ।

विप्र फाउंडेशन मुम्बई के अध्यक्ष सीए मनोज शर्मा ने सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर नारायण पूजा व गीता पाठ किया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ सीए सुनील शर्मा, राष्ट्रीय समन्वयक श्रीकिशन जोशी, मुम्बई महामंत्री विकास बढ़ाडरा, सामाजिक कार्यकर्ता राकेश जोशी एवं उमेश जोशी सहित विप्र फाउंडेशन के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेशनों पर स्टॉल संचालकों की लाइसेंस फीस किराया माफ करने का रेलमंत्री को पत्र

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बीकानेर। बीकानेर व्यापार उद्योग मण्डल के उपाध्यक्ष अनिल सोनी झूमरसा ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर रेलवे स्टेशनों पर स्थित स्टॉल, भोजनालय, पार्किंग, एसटीडी बूथ संचालकों का दर्द समझते हुए लाइसेंस फीस (किराया) माफ करने की मांग की है। झुमरसा ने कहा कि विश्वव्यापी महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन लगने से रेलवे की गति भी थम सी गयी थी। हालांकि लॉकडाउन के दौरान हुए नुकसान की भरपाई तो नहीं हो सकती लेकिन यदि लाइसेंस फीस किराया माफ रेलवे द्वारा कर दिया जाए तो कुछ राहत तो उक्त व्यापारी वर्ग को मिल ही जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि स्टॉल संचालकों को राहत दिलाने के लिए मण्डल स्तर पर अधिकारियों की टीम गठित करके राहत दी जानी चाहिए ताकि आर्थिक

स्थिति में कुछ तो सुधार होगा। इसके अलावा जिन स्टेशनों पर ट्रेनें शुरू हो चुकी है वहां स्टॉल खोलने की अनुमति भी संचालकों को दी जानी चाहिए।

हिंदी के विकास में प्रवासी साहित्य की भूमिका पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर । हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत भारत की प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा हिंदी के विकास में प्रवासी साहित्य की भूमिका पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् ब्रजकिशोर शर्मा कहा कि अनेक शताब्दियों से भारत के लोगों का प्रवास दूर देशों तक हुआ है। दुनिया के विभिन्न भागों में भारतवंशियों और प्रवासी रचनाकारों ने भारतीय संस्कृति के प्रसार में अविस्मरणीय योगदान दिया है। प्रवासियों द्वारा प्रकाशित भारतीय भाषाओं की अनेक पत्रिकाएँ भाषा और साहित्य के विकास में निरंतर सक्रिय बनी हुई हैं। पारस्परिक अनुवाद के क्षेत्र में प्रवासी साहित्यकारों की देन अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रमुख वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के हिंदी विभाग के अध्यक्ष एवं कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि हिंदी को विश्व भाषा बनाने में प्रवासी साहित्य की अविस्मरणीय भूमिका है। प्रवासी साहित्य हमारी संवेदनाओं के संसार को निरन्तर विशद कर रहा है। हिंदी का प्रारम्भिक प्रवासी साहित्य अपार कष्ट, संघर्ष और अभाव की

कोख से उपजा है। उसमें पीड़ा और गुलामी झेलते प्रवासियों के पसीने और रक्त की बूंदें झलकती हैं। गिरमिटिया श्रमिकों के हास ङ्क अश्रु, सुखदुख, संघर्ष उमंग को प्रवासी साहित्य में मार्मिक अभिव्यक्ति मिली है। प्रवासी साहित्यकारों ने असमाप्त शोषण, असमानता और परतंत्रता के प्रतिकार को तीखा स्वर दिया है। प्रवासी रचनाकार भारतीय जीवन शैली और मूल्यों के साथ अपनी भूमि और संस्कृति को व्यापक परिप्रेक्ष्य दे रहे हैं। वर्तमान में प्रवासी लोक साहित्य को लेकर नई सजगता की दरकार है। प्रवासियों ने साहित्य की विविध विधाओं के विकास में अविस्मरणीय योगदान दिया है। हिंदी साहित्य के इतिहास में प्रवासी साहित्य को मुकम्मल स्थान मिलना चाहिए।

मोदी के जन्मदिन पर मां गंगा को चढ़ाई गई 70 मीटर की चुनरी

वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। बनारस के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 70वां जन्मदिवस गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने धमधाम से मनाया। इस मौके पर जहां रोहनिया में विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में 70 किलो का लडडू प्रसाद के रूप में बाटा गया। वहीं शूल टंकेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक हकिया गया। जबकि राजेंद्र प्रसाद घाट पर रत्ना देवी सामाजिक ट्रस्ट के द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच मां गंगा को 70 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष महेशचंद श्रीवास्तव थे। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज ही के दिन देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी का भी जन्मदिन है जिन्होंने पूरी सृष्टि का निर्माण किया। आज के भारत के शिल्पी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के नव निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्हीं के 70 वें जन्मदिन के उपलक्ष में माता गंगा मां को 70 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई है। वहीं मां गंगा का दूध से अभिषेक किया गया है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष महेशचंद श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ, माता अन्नपूर्णा, मां गंगा माता से प्रार्थना है कि उनको दीर्घायु

प्रदान करें। जिस प्रकार मोदी जी ने पूरे विश्व में भारत की एक अपनी अलग पहचान व भारत की संस्कृति लोगों को बता रहे हैं। हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि व आने वाले 10 साल भी प्रधानमंत्री के रूप में रहें यही कामना है। इस दौरान विद्यापीठ के छात्र रूपेश सिंह द्वारा रंगोली पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चित्र का रंगोली बनाया गया जिसमें पीएम मोदी कहते हुए दिख रहे हैं कि मुझे मां गंगा जी ने बुलाया है। कार्यक्रम का नेतृत्व सोमनाथ विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निर्मल उपाध्याय, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव मुन्ना पार्षद, नरसिंह दास पार्षद, रूपेश सिंह, सोमनाथ यादव, अकाश श्रीवास्तव जुगनू, आशुतोष दुबे, अवनीश श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, अमित सिंह पीयूष, अक्षय वर्मा, प्रशांत पांडेय, मनजीत जी, हिमांशु चतुर्वेदी, अभिषेक, धर्मेंद्र गुप्ता आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्टांप शुल्क पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर सारनाथ स्थित सारंगनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक व आरती कर उनके दीर्घायु की कामना की गई। इसके अलावा संसदीय जनसम्पर्क कार्यालय पर संगीत कार्यक्रम का आयोजन के बीच केक काटकर खुशियां बांटी। इसके पूर्व वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रामनगर के डोमरी क्षेत्र में वन विभाग के द्वारा 30 हजार पौधों का जापानी पद्धति से रोपण का लक्ष्य रखा गया, जिसका आज हवन पूजन कर व वृक्षारोपण कर शुभारंभ किया गया। वाराणसी के होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल में मरीजों के लिए फल वितरित किये और सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रातः अहिल्याबाई घाट पर विप्र समाज के 21 वैदिक बटुकों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यटन व धर्मार्थ राज्यमंत्री डा. नीलकंठ तिवारी के साथ मां गंगा का षोडशोपचार पूजन के उपरांत दूध व केशर जल से अभिषेक किया।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारी:

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

अस्पताल की ऐसी लापरवाही स्ट्रेचर पर पड़ा-पड़ा सड़ गया शव

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में एक लावारिस शव स्ट्रैचर पर ही पड़ापड़ा सड़ गया। सोशल मीडिया में इसकी तस्वीर सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने जांच के आदेश दिए हैं।

शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) के अधीक्षक प्रमेंद्र ठाकुर ने बुधवार को कहा कि हमने लावारिस शव सड़ने के मामले की जांच के लिए समिति बनाई है। अस्पताल का जो कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने हालांकि, यह नहीं बताया कि बुरी तरह सड़ चुका शव किसका है और मुर्दाघर में कब लाया गया था।

इस बीच, पुलिस भी इस सवाल से कन्नी काटती दिखी। संयोगितागंज पुलिस थाने के प्रभारी राजीव त्रिपाठी ने कहा कि एमवायएच प्रबंधन ही बता सकता है कि लावारिस शव अस्पताल के मुर्दाघर में कब और कैसे पहुंचा था। पिछले दिनों हमें संयोगितागंज क्षेत्र में जितने भी लावारिस शव मिले थे, उन सबका कानूनी औपचारिकताओं के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर पकड़ा सिंथेटिक दूध

फिरोजाबाद । खाद्य विभाग ने शिकोहाबाद में कई स्थानों पर छापेमार कार्यवाही करते हुये सिंथेटिक दूध को नष्ट कराने के साथ ही कुछ दूधों व पानी का सैंपल लेकर जांच को भेजा है। खाद्य विभाग के अभिहित अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार सिंह के निर्देशन में अरुण मिश्रा, विनय यादव व रविंभान सिंह की टीम ने बुधवार को शिकोहाबाद के मौहल्ला शम्भू नगर में सिंथेटिक दूध के नेटवर्क पर छापेमार कार्यवाही की तो हड़कम्प मच गया। टीम ने मौके से करीब 40 लीटर तैयार दूध, 25 किलो माल्टोस डेक्सट्रोज पाउड़र, 20 लीटर सोरबितोल, 20 लीटर अज्ञात रसायन, 20 खाली कैन आदि सामान बरामद किया है। टीम को मौके पर दो व्यक्ति मौजूद मिले। मौजूद सोनू नाम के व्यक्ति ने बताया कि वह दलवीर सिंह उर्फ भूरे के लिये काम करता है। जिसने डेयरी खोल रखी है। मिलावट वाले दूध को डेयरी की मदद से टैंकर के माध्यम से चिलर को दिया जाता है। अधिक मात्रा में होने के कारण पता नही चल पाता है। टीम ने कुल 5 नमूने लेने के साथ ही दो व्यक्तियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दी है। इसके साथ ही अन्य चिलर, देवता कोल्ड, भोले डेयरी, में संचालित दूध से एकएक नमूना लिया गया है। एक अन्य स्थान से अवैध पानी प्लांट से पानी का सैंपल एकत्रित किया गया है।

उप्र के व्यवसायी की हत्या से जुड़े ऑडियो टेप ने मचाई हलचल

लखनऊ । महोबा के व्यवसायी इंद्रकांत त्रिपाठी की हत्या से संबंधित पांच ऑडियो टेप सोशल मीडिया पर लीक होने के बाद हलचल मच गई है। गौरतलब है कि व्यवसायी की रविवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। त्रिपाठी की हत्या के बाद 24 घंटे से भी कम समय के अंदर महोबा के पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार को भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। त्रिपाठी ने आईपीएस अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

वहीं वह अपनी ही कार में मृत मिले थे, उनकी गर्दन पर गोली लगी थी। चारों ऑडियो टेप कथित तौर पर मारे गए व्यवसायी के हैं, जिन्होंने मरने से पहले बुंदेलखंड में पत्थर खनन को लेकर राजनेताओं, पुलिस और जिला प्रशासन से जुड़े जबरन वसूली रैकेट का खुलासा किया था। पहली बातचीत व्यापारी, स्थानीय विधायक और अज्ञात व्यक्तियों के बीच की है, जबकि पांचवीं बातचीत त्रिपाठी के चचेरे भाई बृजेश शुक्ला और अपराधी आशु भदौरिया के बीच की है इन ऑडियो टेप का सत्यापन अभी नहीं किया गया है।

सामने आए एक ऑडियो त्रिपाठी को एक अनजान व्यक्ति से फोन पर बात करते और कहते सुना जाता है कि जो डिमांड एसपी साहेब की वही डिमांड डीएम की है। पांच लाख एसपी, पांच लाख डीएम और बाकी सब के लिए पांच लाख। हम क्या खाएंगे? उसी ऑडियो में अज्ञात कॉलर को यह कहते हुए सुना जाता है कि उसने जून और जुलाई में एसपी को 6 लाख रुपये का भुगतान किया था।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली में मना सेवा सप्ताह

भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा ने किया वृक्षारोपण, दिव्यांगों को बांटे ट्राई साइकिल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज गुरुवार को चांदनी चौक, में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्म दिवस के अवसर पर पार्टी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम सेवा सप्ताह के तहत कई कार्य किये। उन्होंने वृक्षारोपण किया, एवं लाभार्थियों को पल्स ऑक्सीमीटर, दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, कान की मशीन और हाथ ठेला (रेहड़ी) इत्यादि का वितरण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास हेतु कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्टी के कई बड़े पदाधिकारी और विशाल संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नड्डा ने कहा कि ओजस्वी और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कार्यसंस्कृति को बदल कर रख दिया है और आजादी के बाद पहली बार देश की जनता को अनुभव हुआ है कि गरीबों के लिए काम करने वाली सरकार किस तरह कार्य करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर भारतीय जनता पार्टी हर वर्ष 14 से 20 सितंबर तक सेवा सप्ताह' का आयोजन करती है। देश भर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा ब्लड डोनेशन, प्लाज्मा डोनेशन, गरीब बस्तियों में स्वच्छता अभियान, बच्चों में फलों का वितरण, पुस्तकों

का वितरण, अस्पतालों में फल वितरण, दिव्यांगों को उपकरणों का वितरण और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। चूंकि आज प्रधानमंत्री अपना 70वां जन्म दिवस मना रहे हैं, इसलिए हमारे कार्यक्रमों की थीम भी 70 है। आज हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दीर्घायु हों और इसी तरह सशक्त और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ निर्णायक रूप से देश की सेवा करते रहें। दुनिया के सात देश जब अपने सर्वोच्च सम्मान से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित करते हों, जब संयुक्त राष्ट्र संघ हमारे प्रधानमंत्री चैम्पियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार से नवाजे, तब मालूम पड़ता है कि भारत की वैश्विक छवि में किस तरह बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के कांग्रेस शासन में देश भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ था, कोई भी देश में निवेश करने को तैयार नहीं था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की उस छवि को बदल कर इसे निर्णायक राष्ट्र के तौर पर प्रतिष्ठित किया। अपने कृतित्व से वे वर्ल्ड लीडर के तौर पर प्रतिष्ठित हुए हैं। जनता पार्टी की विकास यात्रा ने संघर्षों के कई पड़ाव को पार करते हुए यहाँ तक का सफ़र तय किया है। हमने कई उतार चढ़ाव देखे लेकिन हमने कभी भी सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान देश भर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के %सेवा ही संगठन के एक आह्वान पर अपने आपको मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया, वह अपने आप में अद्भुत है। मैं मानवता के इस यज्ञ में पार्टी कार्यकर्ताओं के योगदान को नमन करता हूँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर योजना में देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलायें ही हैं चाहे वह उज्ज्वला योजना हो, आयुष्मान भारत हो, किसान सम्मान निधि हो, आत्मनिर्भर भारत अभियान हो, गरीब कल्याण एवं गरीब रोजगार योजना हो, जनधन योजना हो, सौभाग्य योजना हो या आवास योजना। प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन के साहसिक निर्णय के माध्यम से देश को कोविड19 के संक्रमण के खिलाफ लडने के लिए तैयार किया, देश को सक्षम बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कार्यसंस्कृति तो बदली ही, साथ ही, पार्टी की संस्कृति में भी बदलाव लाने के महत्वपूर्ण कारक बने हैं। उन्होंने यह दिखा दिया है कि राजनीति के साथसाथ भी सेवा कार्य किया जा सकता है।

बांग्लादेश का भारत से अपील प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाएं

(विशेष संवाददाता)

ढाका, 16 सितंबर । बांग्लादेश ने भारत सरकार से प्याज निर्यात पर लगे प्रतिबंध को जल्द से जल्द हटाने की अपील की है, ताकि भारत से प्याज का आयात निर्बाध रूप से होता रहे। विदेश मामलों के राज्यमंत्री एम. शहरियार आलम ने मंगलवार को कहा, हम इस संबंध में जल्द ही सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं, ढाका ने नई दिल्ली से प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया है, क्योंकि भारत ने पहले बांग्लादेश के लिए यहां लगातार प्याज की आपूर्ति करते रहने की अनौपचारिक तौर पर प्रतिबद्धता जताई थी।

भारत के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर तत्काल प्रभाव से प्याज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया।

इस फैसले ने बांग्लादेश के प्याज बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। भारत के दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने भी भारत सरकार से प्याज के निर्यात पर से प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करते हुए कहा है कि इस फैसले के संबंध में महाराष्ट्र के प्याज उपज वाले प्रमुख क्षेत्रों से कड़ी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध से खाड़ी देशों, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्याज बाजारों में भारत का निर्यात हिस्सा जोखिम में है।

आलम ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच काजगी समझौतों के परे एक आपसी समझ है कि नई दिल्ली प्याज निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाएगा और अगर नई दिल्ली इस तरह का निर्णय लेता तो वे ढाका को पहले से सूचित करेंगे। कल रात प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के भारत सरकार के फैसले के बारे में सूचित किए जाने के बाद, आलम ने कहा कि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग ने इस मुद्दे को भारतीय विदेश मंत्रालय के समक्ष तुरंत उठाया है।

आलम ने यह भी कहा कि बांग्लादेश का वाणिज्य मंत्रालय प्याज आयात के मुद्दे पर विचार कर रहा है।

चीन को पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पूर्ण रूप से हटाने पर उसके साथ काम करना चाहिए

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 17 सितंबर । भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन को पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील क्षेत्र सहित टकराव वाले सभी इलाकों से सैनिकों को पूर्ण रूप से हटाने के लिये प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही, उसे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिशें नहीं करने को भी कहा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने संवाददाताओं से कहा कि दोनों देशों को तनाव बढ़ा सकने वाली गतिविधियों से दूर रहते हुए टकराव वाले इलाकों में तनाव घटाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ' ने पैंगोंग झील क्षेत्र के उत्तरी और दक्षिणी तटों पर पिछले तीन सप्ताह में भारतीय सैनिकों को भयभीत करने की कम से कम तीन कोशिशें की हैं।

यहां तक कि 45 साल में पहली बार एलएसी पर हवा में गोलियां चलाई गई। श्रीवास्तव ने कहा, चीन को पैंगोंग झील सहित टकराव वाले सभी इलाकों से यथाशीघ्र सैनिकों को पूर्ण रूप से हटाने के लिये और सीमा क्षेत्रों में तनाव घटाने के लिये भारत के साथ गंभीरता से काम करना चाहिए। सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता को कायम रखने पर द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकॉल के मुताबिक ऐसा किया जाना चाहिए।''

चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी किये गये एक बयान के मद्देनजर श्रीवास्तव की यह टिप्पणी आई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सैनिकों को हटाना और सीमा क्षेत्रों में शांति बहाल करने की प्रक्रिया शुरू करना भारत पर निर्भर करता है। श्रीवास्तव ने कहा, हम आशा करते हैं कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा का पूरी तरह से सम्मान करेगा और एकतरफा तरीके से यथास्थिति बदलने की कोई और कोशिश नहीं करेगा।''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मास्को में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों और विदेश मंत्रियों के बीच क्रमश चार और 10 सितंबर को हुई अलगअलग बैठकों में बनी सहमति का भी संवाददाता सम्मेलन में जिक्र किया। श्रीवास्तव ने कहा, बैठकों के दौरान दोनों देशों के मंत्रियों के बीच यह सहमति बनी कि एलएसी से लगे टकराव वाले सभी इलाकों से सैनिकों को शीघ्र और पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, इसलिए, दोनों देशों को तनाव बढ़ा सकने वाली गतिविधियों से दूर रहते हुए टकराव वाले इलाकों में तनाव घटाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बुलेट ट्रेन परियोजना से मिलेगा 90,000 से अधिक लोगों को रोजगार

(विशेष संवाददाता)

अहमदाबाद । एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली महत्वाकांक्षी मुंबईअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को क्रियान्वित करने वाले नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने कहा कि इसके निमार्ण के दौरान ही प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनो मिलाकर 90 हज़ार से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। कारपोरेशन के प्रवक्ता सुषमा गौर ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि निमार्ण सम्बंधी काम के लिए 51000 से अधिक टेक्निशियन तथा कुशल और अकुशल कामगारों की ज़रूरत होगी।

कारपोरेशन ऐसे लोगों को विभिन्न सम्बंधित कामों के लिए प्रशिक्षण देने की सम्भावनाएं तलाश रहा है। पटरी बिछाने के लिए कारपोरेशन ठेकेदारों के कर्मियों के विशेष प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करेगा। उन्होंने बताया कि निमार्ण के दौरान 34000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर भी पैदा होंगे। 480 किमी से अधिक लम्बी इस पटरी में 460 किमी लम्बा वायाडक्ट और समुद्र के नीचे 7 किमी समेत कुल 26 किमी लम्बी सुरंगें, 27 लोहे के पुल, 12 स्टेशन और कई अन्य सहायक सुपर संरचनायें होगी। इसके निमार्ण के दौरान 75 लाख टन सीमेंट, 21 लाख टन स्टील का इस्तेमाल होने का अनुमान है। इससे भी सम्बंधित उद्योगों और उनसे जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला में रोज़गार के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे।

2016 में गठित इस कारपोरेशन की प्रवक्ता ने बताया कि निर्माण सम्बंधी कुछ महत्वपूर्ण कामों के लिए निविदाएं अगले दो माह में खुलेंगी और उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। इस परियोजना के लिए अब तक कुल ज़रूरत की 64 प्रतिशत भूमि अधिग्रहीत हो चुकी है।

जिसमें से 82 प्रतिशत गुजरात और केंद्र शासित क्षेत्र दादरा और नगर हवेली में तथा क़रीब 23 प्रतिशत महाराष्ट्र में है। ज्ञातव्य है कि जापान की सहायता वाली इस परियोजना के कार्य का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिंजो आबे की मौजूदगी में सितंबर 2017 में अहमदाबाद में किया था।

यूपी की सरकारी नौकरियों में 5 साल संविदा के विरोध में प्रयागराज में प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

(विशेष संवाददाता)

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के सरकारी नौकरियों में शुरुआती 5 साल संविदा पर रखने के प्रस्ताव का राज्य में जमकर विरोध हो रहा है। प्रयागराज में सरकार के इस प्रस्तावित नियम के खिलाफ छात्र और युवा सड़कों पर उतर आए। इस दौरान पत्थरबाजी की घटना भी हुई। छात्रों को काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और कुछ युवाओं को हिरासत में भी लिया गया। बीजेपी और उसके सहयोगी दल आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिवस को जनसेवा सप्ताह के रूप में मना रहे हैं। वहीं कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने बेरोजगारी को अपना मुद्दा बनाया है। आज दिन भर ट्विटर पर #राष्ट्रीयदुबेरोजगारीदुदिवस ट्रेंड करता रहा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, छात्र और युवक सरकारी नौकरियों में संविदा पर रखने के प्रस्ताव का विरोध करने के लिए प्रयागराज में इकट्ठा हुए थे। पुलिस ने छात्रों को हटाने के लिए बल का प्रयोग किया, जिसके बाद छात्र उग्र हो गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया। कई वाहनों में तोड़फोड़ की

सूचना भी है। छात्रों के इस प्रदर्शन का कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल समर्थन कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, 5 साल संविदा कानून एक काला कानून है। युवाओं की भर्तियों पर ताला लगाना अन्याय है। इस अन्याय के खिलाफ युवा अपना हक मांगने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं तो उनकी बात सुननी चाहिए। आपकी लाठी इस युवा ललकार को दबा नहीं सकती। कांग्रेस की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, प्रियंका गांधी ने रोजगार के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश के कई युवाओं के साथ डिजिटल संवाद किया और कहा कि उनके लिए रोजगार राजनीति का नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का विषय है। हम युवाओं के लिए आवाज उठाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में संविदा नीति के खिलाफ सड़क पर उतरकर आवाज उठाई जाएगी।

रिश्वत लेते लेखपाल का वीडियो वायरल, सस्पेंड

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में कसया तहसील क्षेत्र में तैनात एक लेखपाल का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ है। इसमें लेखपाल एक रिपोर्ट लगाने से पूर्व रिश्वत लेते दिख रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ज्वाइंट पूर्ण बोहरा ने मजिस्ट्रेट तक पहुंचने के बाद उन्होंने लेखपाल को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने लेखपाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कसया थाने में एफआईआर दर्ज करने का भी आदेश दिया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की इस कार्रवाई से तहसील कर्मियों में हड़कंप मचा है। सस्पेंड किए गए लेखपाल का नाम मदन यादव है। वह तहसील क्षेत्र के गांव मैनपुर के लेखपाल हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने वाले इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी है। बताया है कि बुधवार को सुबह गांव का एक व्यक्ति लेखपाल मदन यादव के पास कोई रिपोर्ट लगवाने पहुंचा तो उससे सुविधा शुल्क की मांग की। ग्रामीण ने पहले पांचपांच सौ रुपये के कुछ नोट दिए जो कुल 10 हजार रुपये थे।

केन्द्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, इलेक्ट्रोनिक मीडिया को रेगुलेट करने से करें परहेज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से अपील करते हुए कहा कि टेलीविजन चैनल्स जैसे इलेक्ट्रोनिक मीडिया को रेगुलेट करने के लिए किसी तरह के कदम से उठाने से परहेज करें, क्योंकि इसको लेकर पहले से कानून है। यह कानून संसद और सुप्रीम कोर्ट के अतीत में दिए फैसलों से तैयार किया गया है।

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से दायर हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि इसके लिए किसी तरह की गाइडलाइन्स की आवश्यकता नहीं है। यह यह किसी के लिए जरूरत है तो वो है सबसे पहले डिजिटल मीडिया जैसे वेब पोर्टल्स, यूट्यूब चैनल्स आदि। केन्द्र ने दावा किया कि मुख्य धारा की मीडिया के मुकाबले इसकी कहीं ज्यादा पहुंच और व्यापक दर्शक हैं। हलफनामे में आगे कहा गया, कोर्ट को और आगे गाइडलाइन्स नहीं बनानी चाहिए... अगर वे यह कदम उठाना ही चाहता है तो उसे सबसे पहले डिजीटल मीडिया को लेकर

करना चाहिए, क्योंकि प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया को लेकर पहले से ही पर्याप्त फ्रेमवर्क और न्यायिक फैसले हैं।

यह हलफनामा सुदर्शन न्यूज चैनल की तरफ से सिविल सर्विसेज में मुस्लिमों के प्रवेश पर प्रसारित कार्यक्रम ÷बिंदास बोल÷ को लेकर दायर किया गया था। 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से विवाद कार्यक्रम के आगे के प्रसारण पर रोक लगा दी गई थी। इसके साथ ही, पहले के चार एपिसोड में जिस तरह के कंटेंट का प्रसारण किया गया, उसको लेकर कोर्ट ने यह गौर किया कि ये मुस्लिम समुदाय को अपमानित की नीयत किया गया है।

बाबरी विध्वंस मामले में 30 सितंबर को फैसला सुनाएगी विशेष सीबीआई अदालत

लखनऊ, 16 सितंबर (वेबवार्ता)। सीबीआई की विशेष अदालत अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाये जाने के मामले में 30 सितंबर को फैसला सुनाएगी। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एस के यादव ने सभी अभियुक्तों को फैसले वाले दिन अदालत में हाजिर रहने के निर्देश दिए हैं। मामले के कुल 32 जीवित अभियुक्तों में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती तथा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह भी शामिल हैं। सीबीआई के वकील ललित सिंह ने बुधवार को बताया कि अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों की प्रक्रिया एक सितंबर को संपन्न होने के बाद अदालत ने फैसला लिखना शुरू कर दिया था। अदालत अब इस मामले में 30 सितंबर को फैसला सुनाएगी। अयोध्या में छह दिसंबर 1992 को एक उन्मादी भीड़ ने बाबरी मस्जिद ढहा दी थी। इस मामले में कुल 48 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था जिनमें से 16 की वाद विचारण के दौरान मृत्यु हो चुकी है। सीबीआई ने इस मामले में 351 गवाह और करीब 600 दस्तावेजी सुबूत अदालत में पेश किए। विशेष सीबीआई अदालत में सभी 32 अभियुक्तों ने लिखित दलीलें 31 अगस्त को दाखिल की थी। इस मामले में अदालत में पेश हुए सभी अभियुक्तों ने अपने ऊपर लगे तमाम आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताया और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दुर्भावना से मुकदमे दर्ज कराने का आरोप लगाया था। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने गत 24 जुलाई को सीबीआई अदालत में दर्ज कराए गए बयान में तमाम आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से निर्दोष हैं और उन्हें राजनीतिक कारणों से इस मामले में घसीटा गया है। इससे एक दिन पहले अदालत में अपना बयान दर्ज कराने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने भी लगभग ऐसा ही बयान देते हुए।

पॉल जोन की मिथुना दुनिया की तीसरी बेहतरीन व्हिस्की

भारत का पहला ब्रांड जिसने यह मान्यता हासिल की

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । अपने लॉन्च से पहले ही भारत की जॉन डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड के मिथुना सिंगल माल्ट व्हिस्की ने दुनिया में अपनी पहचान बना ली है. इसे दुनिया की तीसरी बेहतरीन व्हिस्की का खिताब जिम मुर्रे व्हिस्की बाइबल 2021 में करार दिया गया है. यह खिताब हासिल करने वाली यह पहली भारतीय शराब ब्रांड बनी है।

पॉल जॉन ने मिथुना को व्हिस्की टु डिवो' के रूप में उल्लेखित किया है. नामचीन व्हिस्की समीक्षक जिम मोरे ने इस पर जिम मोरे व्हिस्की बाइबल 2021 में कहा है कि अगर मिथुना का मतलब अल्टीमेट है तो यह एक बेहतरीन नाम है. हम यह भी कह सकते हैं कि मिथुना का मतलब ही परफेक्ट है। उन्होंने कहा कि यह दोनों ही एक दूसरे के करीब है. यह वास्तव में ही परफेक्ट या अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही कम देखी जाने वाली चीज है जिसमें कोई ब्रांड अपने को आदित्य या

परफेक्ट ना केवल नाम से बल्कि अपनी क्वालिटी से भी सिद्ध करता है।

नवंबर 2020 में वैश्विक स्तर पर लांच होने वाली पौल जॉन की मिथुना जोडिक सीरीज की पौल जॉन की भारतीय सिंगल माल्ट की दूसरी एक्सप्रेशन होगी. जिसे जेडीपीएल लांच कर रहा है. पॉल जॉन के मिथुना ने 97 अंक अर्जित किए हैं और एशियन व्हिस्की ऑफ द ईयर 2021 का पुरस्कार हासिल किया है. वहीं, ज़ोडीक सीरीज में इससे पहले पॉल जॉन की कान्या को एशियन व्हिस्की ऑफ द ईयर 2018 चुना गया था. उस समय जिम मुर्रे व्हिस्की बाइबल ने इसको 96 अंक दिए थे। **JDPL** के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पॉल पी जॉन ने कहा कि हमारी व्हिस्की को दुनिया की तीसरी बेहतरीन व्हिस्की करार देना हमारे लिए गर्व की बात है. यह संभवत किसी भी व्हिस्की बनाने वाले के लिए ऐसा सपना सच होने की तरह है जिसके बारे में बात करने पर गर्व होता है. यह विशेषता हमारे व्हिस्की बनाने के प्रेम, समर्पण और जुनून के साथ ही हमारी प्रतिबद्धता को भी जाहिर करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी भारतीय व्हिस्की निर्माता के लिए यह एक गर्व की बात होगी कि उनके उत्पाद या प्रोडक्ट को दुनिया की बेहतरीन व्हिस्की के समकक्ष ही नहीं माना गया बल्कि उनमें भी अव्वल क्वालिटी का करार दिया गया. इससे यह भी पता लगता है कि भारत अब इस क्षेत्र में एक बेहतरीन उत्पादक के तौर पर वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रहा है. सिंगल माल्ट के क्षेत्र में यह दुनिया के बेहतरीन व्हिस्की निर्माता के तौर पर सम्मानित किया जा रहा है. हम गर्व की अनुभूति करते हैं. यह पुरस्कार पाना हमारे लिए एक सपना सच होने जैसा है. यह हमारी प्रतिबद्धता को और बढ़ाएगा. जिससे कि आने वाले समय में हम और बेहतर प्रोडक्ट सामने लाएंगे। रोचक यह है कि जिम मोरे 4700 व्हिस्की को साल में अपने इस किताब के तहत टेस्ट करते हैं. जिसके आधार पर वह व्हिस्की को नंबर प्रदान करते हैं। जो भी व्हिस्की 94 से 97. 5 की रेंज में आती है उसे वह सुपरस्टार व्हिस्की का खिताब देते हैं. उसे अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। जिम मोरे पिछले 25 साल से यह कार्य कर रहे हैं और अब दुनिया के ऐसे व्हिस्की राइटर हो गए हैं जो पूरी तरह से यही कार्य करते हैं।